सफलतम 30 वर्ष सच बेधड़क

दैनिक

विद्रोही तेवर

RNI.No.MPHIN/58880/95

● वर्ष-31 ● अंक- 177 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शनिवार 27 जून, 2026 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ऑफीसर कर रहे सम्राट के खिलाफ साजिश

● भरत तिवारी एनकाउंटर पर पूर्व सांसद नागमणि का बड़ा दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व सांसद और भाजपा नेता नागमणि ने इस एनकाउंटर को लेकर एक बेहद विवादित और चर्चित बयान दिया है, जिसने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। नागमणि ने मारे गए भरत तिवारी के आपराधिक इतिहास का हवाला देते हुए उसे सूबे का

सम्राट के पक्ष में नागमणि की ताबड़तोड़ बैटिंग

सम्राट चौधरी की तारीफ में नगमणि ने खूब कसीदे गढ़े। उन्होंने कहा, लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह से चुस्त और दुरुस्त करने के लिए इन्होंने (सम्राट चौधरी) कार्रवाई किया। डेवलपमेंट साइड में जो इनका इतने कम दिनों के अंदर में जो प्लानिंग है, उससे हर बिहारी खुश है। लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने के लिए उन्होंने कहा है कि अगर छोटी लड़कियों के साथ कहीं रेप होता है तो 13वीं को माला पहना दीजिए यानी उसको एनकाउंटर कर दीजिए।

सबसे बड़ा गुंडा और अपराधी करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस के कुछ बड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जानबूझकर सम्राट चौधरी की सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर नागमणि ने कहा, सब ठीक नहीं चल रहा है। सारे पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो गया। ये गलत है। नागमणि ने सम्राट चौधीर को लेकर कहा, कुछ पुलिस ऑफीसर भी सम्राट चौधरी जी के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

● 5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान पीओके में हमला किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल

भारत की एयरस्ट्राइक में कई पाकिस्तानी एयरबेस तबाह हुए थे- भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं। मक्सर ने पाकिस्तान के जिनकी फोटोज जारी की, उनमें सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर के एयरबेस थे। फोटोज में साफ देखा जा सकता है कि हमले के पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी। सेना ने 7 मई 2025 की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे।

की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3डी वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

लोकतंत्र सेनानियों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाएगी सरकार

● सीएम का बड़ा ऐलान, बोले-कांग्रेस ने किया संविधान का दुरुपयोग ● स्पेशल ट्रेन से तीर्थयात्रा, सर्किट हाउस में दो दिन ठहरने की सुविधा

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के लिए तीर्थयात्रा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने, प्रदेश के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस में दो दिन निःशुल्क ठहरने, मुफ्त इलाज और एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। साथ ही दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की स्मृति में उनके गांव-कस्बों में शिलालेख स्थापित करने तथा पार्क, मार्ग और खेल मैदानों का नाम उनके नाम पर रखने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताम्रपत्र से वंचित लोकतंत्र सेनानियों को भी जल्द सम्मानित किया जाएगा। बता दें ताम्रपत्र सरकार द्वारा दिया जाने वाला सम्मान-पत्र होता है। यह तांबे की प्लेट या विशेष प्रमाण-पत्र के रूप में प्रदान किया जाता है। लोकतंत्र सेनानियों के लिए ताम्रपत्र

यह प्रमाणित करता है कि संबंधित व्यक्ति ने 1975-77 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया और उसे सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से लोकतंत्र सेनानी के रूप में मान्यता दी गई है। भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानी प्रादेशिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर 96 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी लक्ष्मी नारायण पाटीदार, 95 वर्षीय शांति लाल संघवी तथा पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में आपातकाल पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

आपकी वजह से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश- मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की दूसरी लड़ाई के समान था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में लोगों को बिना अपील, बिना दलील और बिना सुनवाई जेलों में डाल दिया जाता था। ऐसे समय में लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिन लोगों ने संघर्ष किया, उन्हीं की बदौलत आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार से निकला व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री बन सकता है, यह लोकतंत्र

- **आपातकाल के संघर्ष को किया याद-** लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक ने कहा कि प्रदेश में पिछले दस वर्षों से लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान की परंपरा जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पिता स्वयं मीसाबंदी रहे थे, इसलिए मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और पीड़ा को करीब से देखा है। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानियों के समान सम्मान देने और उन्हें मिलने वाली आर्थिक सहायता को आयकर मुक्त करने की मांग दोहराई। पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानपूर्वक आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है और उनके सम्मान के लिए लगातार सकारात्मक पहल कर रही है।

चंदा चोरी की 'भेंट' चढ़ गए चंपत राय

● राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा, अनिल मिश्रा की भी छुट्टी

राम मंदिर केस में अब तक 8 लोगों पर एफआईआर दर्ज

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के तीन दिन बाद ही दो बड़े इस्तीफे हो गए हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद ने चंपत राय और अनिल मिश्रा को ट्रस्ट से इस्तीफा देने की सलाह दी है।

माना जा रहा है कि दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट को सौंप दिया है, जिस पर आगे होने वाली ट्रस्ट की बैठक में विचार होगा। राम मंदिर ट्रस्ट ही इस पर फैसला लेगा, क्योंकि ट्रस्ट एक ऑटोनोमस बॉडी है। आपको बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को ही एसआईटी ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इसके बाद गुरुवार को मामले में केस दर्ज किया गया और 8 लोगों को आरोपी बनाया गया। आरोपियों में चंपत राय के करीबी और ड्राइवर टिन्नू यादव का नाम भी शामिल हैं। अन्य आरोपियों के नाम सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडे, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला और रमाशंकर मिश्र हैं। चंपत राय के इस्तीफे के कयास उसी समय लगाए जाने लगे थे, जब सोमवार को एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

मैंने कहा था-कार्रवाई होगी और कार्रवाई शुरू हो गई

राम मंदिर मामले में बोले सीएम योगी, कांग्रेस पर जमकर बरसे

देवरिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाया है। अयोध्या के दौर पर आए अरविंद केजरीवल ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच करने वाली एसआईटी पर सवाल उठाए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि, जब इन्हें कुछ नहीं मिला तो रामभक्तों पर आक्षेप कर रहे हैं, अयोध्या धाम को बदनाम कर रहे हैं। सीएम योगी ने देवरिया में एक जनसभा में यह बात कही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, एक दिल्ली से सज्जन वहां आए हैं, अयोध्या। दिल्ली की जनता ने उन्हें 15 वर्ष अवसर दिया, लेकिन दिल्ली को उन्होंने बर्बादी, भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया। सीएम योगी ने कहा कि, मैंने 19 जून को अयोध्या के दौरे पर कहा था, जन आस्था के साथ खिलवाड़ न हो। मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआईटी रिपोर्ट आई, कार्रवाई प्रारंभ हो गई है।

● टीम नितिन नवीन तैयार! जल्द होगा ऐलान

केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल के साथ शुरुआत

बीजेपी संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक बदलावों के साथ ही किया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बारे में बीजेपी सूत्रों ने पहले ही संकेत दिए थे कि संगठन में बड़े बदलाव जून के आखिर तक हो सकते हैं, साथ ही ये बदलाव केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से जुड़े हो सकते हैं। गुरुवार को नितिन नबीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ बातचीत के बाद फेरबदल की अटकलें और तेज हो गईं। पार्टी के लोगों का मानना है कि संगठन में फेरबदल, गुरुवार को घोषित की गई उत्तर प्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब होगी।

पीडीए की काट पर रहा फोकस

उत्तर प्रदेश की नई टीम में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान गया है। इसे समाजवादी पार्टी की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण का जवाब माना जा रहा है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय संगठन में भी इसी तरह युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्योंकि पार्टी युवाओं और महिलाओं के अलावा अहम जाति समूहों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। इधर, केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें उस समय और तेज हो गईं जब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ बैठक की। बदलाव की प्रक्रिया आखिरी दौर में है।

मोदी मंत्रिमंडल में बढ़ सकते हैं महाराष्ट्र से मंत्री!

ऑपरेशन टाइगर के बाद श्रीकांत शिंदे समेत चर्चा में पांच नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सफल ऑपरेशन टाइगर का असर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में देखने को मिल सकता है। उद्धव ठाकरे के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के साथ आने पार्टी शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। चर्चा है कि एक कैबिनेट बर्थ शिवसेना को मिल सकती है। मंत्री पद के लिए शिंदे के बेटे डॉ. श्रीकांत शिंदे के साथ धाराशिव से सांसद ओम राजे निंबालकर का नाम भी चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी कोई मंत्री बन सकती है। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी तब प्रफुल्ल पटेल का नाम सामने आया था लेकिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऑफर किए जाने पर बात अटक गई थी। अब देखना है कि मंत्रिमंडल में जगह मिलती है या फिर नहीं।

- **बीजेपी के चार और सहयोगी के दो मंत्री-** अभी महाराष्ट्र से कुल छह नेता केंद्र में मंत्री हैं। इनमें चार मंत्री बीजेपी और दो एनडीए के सहयोगियों के पास हैं। इनमें एक मंत्री पद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एक मंत्री पर आरपीआई-ए के पास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का फेरबदल 28 या 29 जून को होने की चर्चा है। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के मंत्री बनने की संभावना है। वह अभी राज्यसभा के सदस्य है और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष है। अगर वे मंत्री नहीं बनते हैं तो दूसरी नाम सुनील तटकरे का है। संजय दीना पाटिल का भी नाम चर्चा में है।

'फिर आ गए' क्यों लिखा, जांच में जुटी टीम

● उज्जैन के बड़नगर में पटाखों से किया था वैन में ब्लास्ट ● विस्फोट का मकसद क्या, फोरेंसिक टीम ढूंढ़ रही सुराग

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में मुहर्रम के जुलूस के दौरान वैन को क्रेन से लटकाकर विस्फोट करने का वीडियो देखने के बाद सुरक्षा एजेंसियां एक्शन में आ गई हैं। जिले की बड़नगर पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार कर वैन और क्रेन को जब्त कर लिया है। आरोपियों का कहना है कि 8 हजार के पटाखे खरीदकर वैन में ब्लास्ट किया गया था। उज्जैन, उन्हेल, नागदा और महिदपुर पहले से संवेदनशील माने जाते हैं, इसलिए जांच में स्थानीय पुलिस के साथ एटीएस, यानी एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड भी शामिल हो गई है। सुरक्षा एजेंसियां अब तीन बड़े सवालों के

जवाब ढूंढ रही हैं-विस्फोट के पीछे मकसद क्या था? गाड़ी पर 'ले, फिर आ गए' क्यों लिखा था? विस्फोटक कौन सा था और उसे कहां से लाया गया था?

2500 रुपए किराए पर ली गई थी क्रेन- क्रेन मालिक गोपाल राठौर ने पुलिस को बताया कि अडान अखाड़े के सदस्यों ने पुष्प वर्षा के लिए क्रेन किराए पर लेने की बात कही थी। 2500 रुपए किराया तय होने के बाद ड्राइवर समेत क्रेन भेज दी थी। राठौर का कहना है कि उन्हें वाहन में विस्फोट

- **40 फीट ऊंचाई पर हवा में लटकाकर उड़ाई थी वैन-** दरअसल, 23 जून की रात बड़नगर के अडान मोहल्ले से मोहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था। इसमें टाटा मैजिक गाड़ी को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर हवा में लटकाया गया था। इसकी छत पर दो युवक खड़े होकर लाल झंडे लहरा रहे थे। वैन पर 'ले, फिर आ गए' लिखा था। जुलूस में शामिल कुछ लोगों के हाथों में मौजूद तख्तियों पर भी यही मैसेज लिखा था। कुछ देर बाद वैन में विस्फोट कर दिया गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। मामले में शोएब पिता गब्बू, जाहिद पिता भूरा खां और तपसील उर्फ तस्लीम को अरेस्ट किया गया है। वहीं, क्रेन के मालिक पर भी केस किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शोएब ने अडान अखाड़े के बैनर तले मुहर्रम का जुलूस निकाला था। उसी ने कबाड़ में रखी गाड़ी को क्रेन पर लटकवाया था। विस्फोट के समय जाहिद और तपसील गाड़ी की छत पर मौजूद थे। वे ही झंडे लहराते दिखाई दिए थे। ब्लास्ट के पहले दोनों

कांच बंद होने के कारण गैस बनने से विस्फोट

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करनदीप सिंह क्यूआरटी (क्रिक रिस्पॉन्स टीम) के साथ बड़नगर पहुंचे और संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला। उन्होंने कहा- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गाड़ी में रॉकेट और सुतली बम लगाए गए थे। इसके कांच बंद होने के कारण गैस बनने से विस्फोट जैसी स्थिति बनी। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

इस्लाम अपना लिया तो नहीं मिलेगा ओबीसी का दर्जा

आरक्षण का लाभ भी होगा खत्म, हाईकोर्ट का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में धर्म परिवर्तन और आरक्षण को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर

दिया है, जिसके तहत हिंदू धर्म की पिछड़ी, अति-पिछड़ी या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को बैकवर्ड क्लास मुस्लिम का दर्जा और आरक्षण देने की बात कही गई थी। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस पी बी बालाजी की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुस्लिम होता है। पीठ ने कहा, कोई भी शख्स इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुसलमान रह जाता है, बस बात यहीं खत्म। वह बैकवर्ड क्लास मुस्लिम के दर्जे या आरक्षण का दावा कतई नहीं कर सकता। यह मामला थूथुकुडी जिले के रहने वाले समीर अहमद की याचिका के बाद सामने आया। पहले उसका नाम परमशिवम था।

परमशिवम का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। 2015 में उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम समीर अहमद रख लिया और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। धर्म परिवर्तन के बाद समीर ने तहसीलदार के पास मुस्लिम लेब्बाई जाति का कम्युनिटी सर्टिफिकेट पाने के लिए आवेदन किया। इस जाति को तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों का दर्जा प्राप्त है।

डिप्टी सीएम ने बाबरी मस्जिद और मदरसों के चंदे के बारे में पूछा, कहा- अयोध्या को बदनाम करने की हो रही साजिश

मिर्जापुर, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने उन्होंने मदरसों व बावरी मस्जिद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वे सनातन को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। मुजेहरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बावरी मस्जिद के लिए चंदा लिया गया। क्या किसी ने एक प्रश्न भी पूछा कि यह पैसा कहां से आया और कहां गया। विपक्षी तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। यह अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों का संचालन, कहां से पैसा आ रहा है, टेरर फंडिंग हो रही है। उसके बारे में किसी ने पूछा। अखिलेश यादव से पूछिए कि उन्होंने मदरसों व बावरी मस्जिद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। संभल में मंदिर पर कब्जा कर अपने घर में मिला लिया। किसी ने एक सवाल पूछा। भ्रष्टाचार पर सरकार की जीरो टालरेंस नीति है। अयोध्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस अपना काम कर रही है। कहा कि मिर्जापुर जिला पार्टी की प्राथमिकताओं में है। विंध्याचल धाम का विकास हुआ है अब यहां पर प्रतिदिन हजारों की भीड़ बड़ी सरलता से मां विंध्यवासिनी का दर्शन कर रही है। इसके पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का हेलीकाप्टर मुजेहरा में उतरा। वहां से वे सड़क मार्ग से विंध्याचल गए। वहां से वापस आकर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता किया और प्रबुद्धजनों से संवाद किया। इस अवसर पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज व अन्य थे।

हिमाचल में 13.28 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ नष्ट, 10 स्थानों पर एक साथ हुई बड़ी कार्रवाई

शिमला, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस पर हिमाचल प्रदेश में 'एंटी-चिट्टा दिवस' मनाते हुए 10 स्थानों पर एनडीपीएस मामलों में जब्त 13.28 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया। पुलिस ने इसे ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताते हुए लोगों से नशा तस्करी की सूचना 112 पर देने की अपील की। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी 'एंटी-चिट्टा जन-आंदोलन' के तहत शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस के अवसर पर पूरे हिमाचल प्रदेश में 'एंटी-चिट्टा दिवस' मनाया गया। इस दौरान प्रदेशभर के 10 स्थानों पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों में जब्त किए गए नशीले पदार्थों का वैज्ञानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत सामूहिक रूप से निस्तारण किया गया। हिमाचल प्रदेश पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए मादक पदार्थों का अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 13.28 करोड़ रुपये है। यह हिमाचल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब पूरे प्रदेश में एक साथ इतने बड़े स्तर पर नशीले पदार्थों के निस्तारण की कार्रवाई की गई। इस अभियान को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्य सचिव कमलेश पंत ने फ्लैग ऑफ कर मॉनिटर किया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल जब्त मादक पदार्थों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि ड्रग माफिया को कड़ा संदेश देना, युवाओं को चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों से बचाना तथा समाज को नशा मुक्त अभियान से जोड़ना भी है। इसी अवसर पर प्रदेश की नशे से अधिक प्रभावित पंचायतों में नशा निवारण समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने और राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा की।

चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है

एनसीपी एमएलए सना मलिक की सफाई, मेरे यूसीसी बयान को गलत समझा गया, पाकिस्तान से तुलना अस्वीकार्य

मुंबई, एजेंसी। मलिक ने कहा कि बहस महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों पर केंद्रित होनी चाहिए और ऐसे मुद्दों को सीधे किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाया गया था कि क्या पाकिस्तान ने कोई कानून बनाया है और चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दावा किया गया है कि एनसीपी (अजित पवार) की विधायक सना मलिक ने बहुविवाह का समर्थन किया और भारत में पाकिस्तानी कानून लागू करने की वकालत की। इस दावे से काफी बहस छिड़ गई और महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। अपने बयानों पर सफाई देते हुए मलिक ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड पर महाराष्ट्र विधानसभा में हुई बहस के दौरान उनके बयानों का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा कि उनकी

आपत्तियां महिलाओं की सुरक्षा और तीन तलाक पर चर्चा के दौरान बार-बार पाकिस्तान का ज़िक्र किए जाने तक ही सीमित थीं। मलिक ने कहा कि बहस महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों पर केंद्रित होनी चाहिए और ऐसे मुद्दों को सीधे किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाया गया था कि क्या पाकिस्तान ने कोई कानून बनाया है और चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है।

उन्होंने खास तौर पर यह तर्क दिया कि कानून बनाने वालों को बहस में पाकिस्तान को लाने के बजाय खुद कानून पर चर्चा करनी चाहिए। मलिक के अनुसार, भारतीय मुसलमान भारतीय संविधान का पालन करते हैं, जो उन्हें अपने धर्म का पालन करने, उसे मानने और उसका प्रचार-प्रसार करने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ तुलना स्वीकार्य नहीं है और पड़ोसी देश का बार-बार ज़िक्र किए जाने पर आपत्ति जताई। बहुविवाह (एक से ज़्यादा शादियाँ करने) पर चल रहे विवाद पर बात करते हुए मलिक ने कहा कि इस्लामिक पर्सनल लॉ में कड़े नियमों के तहत इसकी इजाज़त है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बहुविवाह की प्रथा अलग-अलग धर्मों में मौजूद है। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने वाले कानून निष्पक्ष होने चाहिए और किसी खास धर्म को निशाना बनाने या विदेशी कानूनों का हवाला देने के बजाय सभी समुदायों पर लागू होने चाहिए। मलिक की बातों का जवाब देते हुए, राज्य के गृह मंत्री योगेश कदम ने कहा कि भारत में कानून किसी धार्मिक ग्रंथ या पवित्र किताब के आधार पर नहीं बनाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि विधायिका की ज़िम्मेदारी है कि वह समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाए और गलत प्रथाओं को खत्म करे। कदम ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा बनाए गए कानूनों का मकसद सिर्फ़ न्याय दिलाना है और उन्होंने कहा कि भारत के कानूनी ढांचे को धर्म से जोड़ना पूरी तरह गलत है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया, एक युवक की मौत

एटा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में शुक्रवार सुबह ताजिया के जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें एक युवक की दर्दनाक मौत हुई है, जबकि सात लोग जख्मी हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी सामने आई कि एटा के अलीगंज इलाके में मोहर्रम पर जुलूस के दौरान ताजिया बिजली की हाईटेंशन लाइन से टकराया था। इससे ताजिया में करंट दौड़ गया और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। ताजिया में करंट दौड़ने से जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभालने की कोशिश की। सभी घायलों को अलीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि, तब तक एक युवक की मौत हो चुकी थी, जिसकी पहचान शेख के रूप में हुई है। मृतक के चाचा इरफान खान ने आईएएनएस को बताया कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बीच ताजिया का जुलूस निकाला जा रहा था। वहां 11 हजार की लाइन थी। ताजिया बिजली की लाइन से टकराया था, जिससे कई लोग घायल हो गए। इनमें से भतीजे शेख की मौत हो चुकी है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद हम लोग सीधे अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलूस के दौरान कोई भी बिजली कर्मचारी मौजूद नहीं था। अगर कोई कर्मचारी मौजूद होता तो बिजली सप्लाई थोड़े देर रोकने से यह हादसा टल सकता था।

आईपीएस महेश दीक्षित बने इंटेलिजेंस ब्यूरो के नए चीफ

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद संभाली थी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को नए सुरक्षा एक्सपर्ट मिलने जा रहे हैं। खबर है कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी महेश दीक्षित ढुक्के नए प्रमुख होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आईबी प्रमुख के रूप में दीक्षित की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी दीक्षित आईबी निदेशक के रूप में तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। माना जाता है कि वह खुफिया नेटवर्क के मामले में एक्सपर्ट हैं और आतंकवाद के खिलाफ कई मिशन में अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं।सूत्रों ने भाषा को बताया कि दीक्षित फिलहाल आईबी में

विशेष निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं और उनके पास जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक राज्य खुफिया ब्यूरो के प्रमुख के तौर पर काम करने का अनुभव है। एक पेशेवर चिकित्सक से कानून-प्रवर्तन अधिकारी बने दीक्षित के पास देश की प्रमुख आंतरिक खुफिया एजेंसी में लगभग तीन दशक का व्यापक अनुभव है। उन्होंने पूर्वोत्तर और लद्दाख में अभियानों से लेकर नक्सल विरोधी प्रकोष्ठों तक अलग-अलग तरह की संवेदनशील जिम्मेदारियां संभाली हैं।

दीक्षित आईबी में मजबूत जमीनी खुफिया नेटवर्क और आतंकवाद-रोधी मामलों में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। वह श्रीनगर में सहायक आसूचना ब्यूरो के प्रमुख थे और अधिकारियों के अनुसार अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के बाद वहां आंतरिक स्थिरता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पिछले वर्ष दीक्षित ने एक बड़े 'सफेदपोश' आतंकवादी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने में भी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीनगर पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई शुरुआती जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया था। दीक्षित 30 जून को आसूचना ब्यूरो के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। वह 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका की जगह लेंगे, जिन्हें सरकार ने दो बार सेवा विस्तार दिया था। डेका को जून 2022 में दो वर्ष के लिए आसूचना ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 और 2025 में दो बार बढ़ाया गया। उन्हें विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता है। नवंबर 2008 में हुए मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान जवाबी अभियानों की कमान उन्हीं के हाथों में थी। आतंकवाद और इस्लामी कट्टरपंथ से जुड़े मामलों को संभालने में दक्ष डेका ने इंडियन मुजाहिदीन के खिलाफ अभियानों का भी नेतृत्व किया।

राम मंदिर मामले में ना किसी को फंसाना है, ना किसी को बचाना है: ट्रस्ट की एफआईआर से विश्व हिन्दू परिषद संतुष्ट

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में गुरुवार की शाम पहली एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया है। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर से विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पूरी तरह संतुष्ट है। विहिप के अतरर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इस मामले में किसी को न तो फंसाना है और न ही बचाना है। जो भी हुआ है, गलत हुआ है। जिसने यह सब किया है उसे दंड जरूर मिलेगा।

आलोक कुमार ने एएनआई से बातचीत में चंपत राय की भूमिका पर भी संतोष जताया और कहा- 'मैं बहुत संतुष्ट हूं। कल हमने कहा था कि एफआईआर होनी चाहिए। एसआईटी की रिपोर्ट (प्रारंभिक) आ गई। उसमें कुछ लोगों के नाम हैं। कुछ सबूत हैं। एफआईआर होनी चाहिए। मेरी संतुष्टि ये है कि जब ट्रस्ट के लोगों को उन नामों की जानकारी मिली तो उसके बाद में उन्होंने एफआईआर फाइल करने में एक दिन की भी देरी नहीं लगाई। तुरंत फाइल की है। और, ये तीसरा कदम है। पहला कदम था, जब ट्रस्ट की ओर से चंपत राय ने मुख्यमंत्री से कहा कि एसआईटी बनाइए। दूसरा कदम था कि जब एसआईटी पहुंची तो चंपत राय ने कहा कि आप मेरे से जांच शुरू करिए, मैं आपके सवालों का उत्तर देता हूं। और ये तीसरा कदम है। मुझे प्रसन्नता है कि एफआईआर हो गई। मैं उम्मीद करूंगा कि इस पूरे मामले में, और इस मामले में जिन लोगों के भी नाम आ रहे हैं, वो एफआईआर में हों या नहीं, उनकी जांच हो।'

हिमाचल के स्कूलों में नहीं चलेगा जाति-धर्म का भेदभाव, मिड-डे मील को लेकर शिक्षा विभाग का सख्त फरमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने पीएम पोषण योजना के तहत स्कूलों में धर्म, जाति, पंथ और लिंग के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव पर सख्त रोक लगा दी है। सभी बच्चों को रोल नंबर के आधार पर एक साथ भोजन कराने और शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने देश की महत्वाकांक्षी पीएम पोषण (पूर्व में मिड-डे मील) योजना के क्रियान्वयन में समानता और भाईचारे के सिद्धांतों को सर्वोपरि रखने के लिए एक कड़ा कदम उठाया है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी स्कूली बच्चे के साथ धर्म, जाति, पंथ या लिंग के आधार पर कोई भी भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला उपनिदेशकों और खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी स्कूलों में बच्चों के साथ समान व्यवहार हो और किसी भी प्रकार का अलगाव न पनपे।

भेदभाव की शिकायतों पर लगाम: निदेशालय द्वारा जारी किए गए आदेशों में

इस बात पर जोर दिया गया है कि समय-समय पर मिड-डे मील वितरण के दौरान भेदभाव की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं को रोकने और योजना के मूल उद्देश्य को साकार करने के लिए, सभी स्कूलों को यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि पीएम पोषण योजना को सामाजिक समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में देखा जाए। भोजन वितरण के दौरान, सभी बच्चों को रोल नंबर के आधार पर एक साथ बैठकर भोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, बजाय इसके कि उन्हें उनकी जाति, धर्म या अन्य व्यक्तिगत पहचान के आधार पर अलग-अलग बैठाया जाए।

कड़े अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी: शिक्षा विभाग ने इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न करने का संकेत दिया है। विभाग ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी या इस योजना से संबंधित कोई भी व्यक्ति इस तरह के भेदभावपूर्ण व्यवहार में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम योजना के पारदर्शी और निष्पक्ष कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और इस संबंध में अपनी मासिक रिपोर्ट निदेशालय को भेजें। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज कराने के लिए एक सुलभ तंत्र भी स्थापित किया गया है। निदेशालय के टोल-फ्री नंबर 1800-180-8007 को स्कूल परिसरों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने तथा स्कूल प्रबंधन समितियों और आम जनता के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस नंबर पर किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपर्क कर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं।

आंध्र में रोजाना 10,000 ड्रोन उड़ानें संचालित करने का लक्ष्य

आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन ने की बड़ी डील

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन ने अमरावती राजधानी क्षेत्र में ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क विकसित करने के लिए एयरबाउंड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. दिल्ली में गुरुवार को आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन की एमडी गीतांजलि शर्मा और एयरबाउंड के फाउंडर नमन पुष्प ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए. एयरबाउंड, अमरावती, विजयवाड़ा और गुंटूर को जोड़ने वाले ड्रोन ऑपरेशन शुरू करने के लिए लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर सेक्टर के पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करेगा.

आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन अगले साल तक रोजाना 10,000 ड्रोन फ़्लाइट्स ऑपरेट करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है. इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि एक

घरेलू कंपनी के साथ मिलकर वे एक बड़ा ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क बनाना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश यह दिखाएगा कि कैसे यह पहल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे सकती है और नौकरियां पैदा कर सकती है. चेयरपर्सन गीतांजलि शर्मा ने कहा कि एयरबाउंड न केवल एक नया डिलीवरी मॉडल पेश करेगी, बल्कि एक नए लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की नींव भी रखेगी. एयरबाउंड के फाउंडर और सीईओ नमन पुष्प ने कहा कि ड्रोन डिलीवरी माल ढुलाई के सिस्टम के स्वरूप को ही बदल रही है. उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य एक ऐसा नेटवर्क बनाना है जो 20-टन के ट्रक जितनी क्षमता वाले ड्रोन का इस्तेमाल करके एक जगह से दूसरी जगह पैकेज पहुंचा सके.

11 साल बाद सेशेल्स जाएंगे पीएम मोदी, 27 से 29 जून तक रहेंगे, अफ्रीका के छोटे देश से कैसे फेल होगा चीन का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत दोस्ती, समुद्री सहयोग और आपसी साझेदारी को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी की सेशेल्स की यह राजकीय यात्रा राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वर्ष 2015 में सेशेल्स गए थे। इस बार सेशेल्स अपने राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में भारतीय रक्षा बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी हिस्सा लेंगे।

ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण: यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ बैठक करेंगे। दोनों नेता भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे। भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना

संबंध रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, संस्कृति और लोगों के आपसी जुड़ाव पर आधारित हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी होने के नाते सेशेल्स भारत की 'महासागर' (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजंस) की सोच और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में खास महत्व रखता है।

दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती: यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच गहरी और मजबूत दोस्ती को और मजबूत करेगी। साथ ही दोनों देशों की हर क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाएगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी थीं।

नायडू-नीतीश के बिना भी एनडीए पास पूर्ण बहुमत, मोदी सरकार में बढ़ा शिंदे का रुतबा; बेटा बनेगा मंत्री?

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे जब सामने आए थे, तो भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों पर सिमट गई थी। पूर्ण बहुमत के 272 के जादुई आंकड़े को छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था। उस वक्त 16 सांसदों के साथ चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी और 12 सांसदों के साथ नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड 'किंगमेकर' बनकर उभरे थे। ऐसा माना जा रहा था कि तीसरी बार बनी मोदी सरकार की चाबी इन्हीं दोनों नेताओं के हाथ में है और इनके बिना एनडीए का बहुमत खतरे में पड़ सकता है। लेकिन, अब 2026 आते-आते सियासी समीकरण पूरी तरह से बदल चुके हैं। पश्चिम बंगाल और फिर महाराष्ट्र में एक ऐसा राजनीतिक भूचाल आया जिसने न सिर्फ मोदी सरकार को और मजबूत कर दिया है, बल्कि नायडू और नीतीश पर सरकार की निर्भरता को भी काफी हद तक कम कर दिया है।

महाराष्ट्रः 'ऑपरेशन टाइगर' से उद्धव गुट में बड़ी सेंधमारी

हाल ही में महाराष्ट्र की सियासत में 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत एक बड़ा उलटफेर हुआ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) को तगड़ा झटका दिया है। उद्धव गुट के 6 लोकसभा सांसदों ने पाला बदलते हुए एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र सौंपकर इन सांसदों ने आधिकारिक तौर पर अपना गुट बदल लिया है।

शिंदे गुट में शामिल होने वाले 6 सांसदः-ओमप्रकाश

राजेनिंबालकर (धाराशिव), नागेश पाटिल आष्टीकर (हिंगोली), संजय हरिभाऊ जाधव (परभणी), संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम)।

इस बगावत के बाद लोकसभा में उद्धव गुट (यूबीटी) के पास अब मात्र 3 सांसद बचे हैं, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर सीधे 13 हो गई है। दल-बदल कानून से बचने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जिसे इन 6 सांसदों ने आसानी से पार कर लिया।

बंगाल में तो खेला ही हो गया, एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी बनी एनसीपीआई पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद टीएमसी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। लोकसभा में टीएमसी के 29 सांसदों में से 20 सांसदों ने ममता बनर्जी और महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व के खिलाफ खुला विद्रोह कर दिया है। इस बड़ी बगावत की अगुवाई बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार और बीरभूम से सांसद शताब्दी रॉय जैसी कद्दावर नेता कर रही हैं। इन सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपकर आधिकारिक तौर पर एनडीए को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है।

दल-बदल कानून के तहत संसद सदस्यता रद्द होने के खतरे से बचने के लिए इन बागी सांसदों ने एक बेहद चालाक रणनीतिक कदम उठाया है। कानूनन दल-बदल से बचने के लिए दो-तिहाई सांसदों का एक साथ आना जरूरी था। इन सभी ने 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' नामक एक बेहद कम चर्चित और गैर-मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी में अपने गुट का विलय कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

ज़ालिम से समझौता करने से बेहतर इंसाफ़ के लिए कुर्बानी देना ही करबला का संदेश है

मारूफ अहमद खान– इतिहास में बहुत सी लड़ाइयां सत्ता हासिल करने के लिए लड़ी गईं, लेकिन करबला की जंग सत्ता पाने के लिए नहीं, बल्कि सत्य और न्याय को बचाने के लिए लड़ी गई थी। यही वजह है कि चौदह सौ साल बाद भी करबला सिर्फ एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि जुल्म के खिलाफ प्रतिरोध का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती है। इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के सामने दो रास्ते थे–एक, यज़ीद की बैअत करके सत्ता के आगे सिर झुका देना; दूसरा, अपने परिवार और चंद साथियों के साथ हर कीमत पर सत्य का साथ देना। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। उन्हें मालूम था कि इस रास्ते का अंत शहादत है, लेकिन उन्होंने यह भी समझ लिया था कि अगर उस दिन अन्याय के सामने समझौता कर लिया गया, तो आने वाली नस्लों के लिए सच और झूठ का फर्क मिट जाएगा। करबला हमें यह सिखाती है कि जुल्म की ताकत चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसके सामने खामोश रहना भी जुल्म का साथ देना है। इमाम हुसैन ने अपनी शहादत से यह साबित कर दिया कि तलवारें शरीर को खत्म कर सकती हैं, लेकिन सिद्धांतों को नहीं। यही कारण है कि यज़ीद आज इतिहास में जुल्म की निशानी है, जबकि इमाम हुसैन इंसाफ, सब्र और कुर्बानी के प्रतीक बनकर पूरी दुनिया में याद किए जाते हैं।करबला किसी एक फिरके, समुदाय या मज़हब की विरासत नहीं है। यह हर उस इंसान के लिए एक संदेश है जो अन्याय, अत्याचार और तानाशाही के खिलाफ खड़े होने का हौसला रखता है। इमाम हुसैन ने हमें यह नहीं सिखाया कि जीत हमेशा तलवार से होती है, बल्कि यह सिखाया कि कभी-कभी शहादत भी ऐसी जीत होती है, जो सदियों तक ज़ालिमों को कटघरे में खड़ा कर देती है। करबला का सबसे बड़ा सबक यही है कि जुल्म से समझौता करने से बेहतर है सत्य के लिए कुर्बानी देना। क्योंकि सत्ता की उम्र सीमित होती है, लेकिन हक़ के लिए दी गई शहादत हमेशा ज़िंदा रहती है। (लेखक राजधानी भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार /सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक हैं)

सेवा कार्यों के साथ मनाया गया परितोष नंदी का जन्मदिन

वृक्षारोपण, फल वितरण और जरूरतमंदों की सहायता कर दिया समाजसेवा का संदेश

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं वार्ड क्रमांक-57 के पूर्व पार्षद प्रत्याशी परितोष नंदी का जन्मदिन कस्तूरबा मार्केट में राहुल दहिया मित्र मंडल द्वारा बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दिनभर सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं का सिलसिला चलता रहा और समर्थकों, मित्रों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन को समाजसेवा के रूप में मनाते हुए परितोष नंदी ने वृक्षारोपण किया, अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण किया तथा जरूरतमंद एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की सहायता कर मानव सेवा का संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव एडवोकेट प्रदीप शर्मा ,युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, , राहुल दहिया, अजय महेश्वरी, आकाश खरे, इकबाल वगड़, लाल बहादुर भारद्वाज, संजय डुमाने, जफर भाई, आकाश मालवीय, सुरेंद्र चौधरी, नसीम, पार्थ मुखर्जी (मामा), उल्लास सोनकर, राजू मेढ़े, अभिषेक पाटिल, वैलू स्वामी, अमन, रवि गोलू, भैया भाई सहित कस्तूरबा मार्केट के व्यापारी बंधु, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं बंगाली समाज के गणमान्यजन मौजूद रहे। इस अवसर पर एडवोकेट प्रदीप शर्मा ने गीत के माध्यम से परितोष नंदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी

■ स्कूल की कैंटीन से लिए गए 8 नमूने , सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 23 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित

इन्दौर (निप्र)। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर मौके पर पहुंचकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा स्कीम नंबर 74, विजय नगर स्थित प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल में संचालित मेस एवं कैंटीन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों का भंडारण खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। साथ ही भोजन निर्माण एवं उपयोग में लिए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट एक वर्ष से अधिक पुरानी पाई गई। मौके से फ्रेंच फ्राइज, तुअर दाल, घी, सोयाबीन तेल, इंस्टेंट खमन मिक्स, रोटी, मिक्स वेज सब्जी एवं चावल के कुल 08 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण में पाई गई कमियों के संबंध में

संस्थान को सुधार सूचना पत्र (नोटिस) जारी किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मुंशी ढाबा, मानपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आटा, दाल, चावल, नमकीन एवं मसालों के कुल 05 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। इसी प्रकार सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर कृष्णा किराना भंडार, बेटमा रोड, काली बिल्लोद का निरीक्षण कर तुअर दाल का 01 नमूना जांच हेतु लिया गया। कार्रवाई पूर्ण होने के पश्चात शिकायतकर्ता को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिस पर शिकायतकर्ता द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई। एक अन्य सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अंबिका स्वीट्स एंड नमकीन, बंगाली चौराहा, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खीर पुरी, स्ट्रॉबेरी स्लाइस मिठाई तथा विभिन्न प्रकार के नमकीन पैक के कुल 07 नमूने जांच हेतु लिए गए। कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराई गई, जिस पर शिकायतकर्ता द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई।

अन्य शिकायत पर कार्रवाई

प्राप्त शिकायत के आधार पर पूजा श्री, हम्माल कॉलोनी, इंदौर का निरीक्षण किया गया। शिकायत में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर में दुर्गंध आने की बात कही गई थी। जांच के दौरान पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के 02 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु भेजे गए हैं। संग्रहित सभी खाद्य नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित शिकायतों के निराकरण पर प्रशासन का विशेष फोकस है।

सीएम हेल्पलाइन, कलेक्टर हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है तथा आवश्यक होने पर मौके पर निरीक्षण कर नमूना कार्रवाई की जा रही है। शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई से भी अवगत कराया जा रहा है। संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी खाद्य प्रतिष्ठान में मिलावट, गुणवत्ता संबंधी समस्या अथवा अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी अनियमितता दिखाई देती है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

धार में स्कूल वाहनों के विरुद्ध प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

7 वाहन नियम विरुद्ध पाए गए33 हजार रुपए का अर्थदंड आरोपित

धार (निप्र)। जिले में स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा और सड़क परिवहन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा निरंतर सघन अभियान संचालित किए जा रहे हैं। परिवहन आयुक्त एवं जिला कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना के मार्गदर्शन में, बुधवार को अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की टीम द्वारा धामनोद क्षेत्र में स्कूल वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

सघन जांच और नियमों का पालनइस विशेष अभियान के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में संचालित लगभग 50 स्कूल वाहनों का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच दल द्वारा वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, वैध परमिट, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र और चालक के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई।नियम उल्लंघन पर कार्यवाहीसघन जांच के दौरान 7 स्कूल वाहन निर्धारित मानकों एवं मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत संचालित होते पाए गए। विभाग द्वारा इन वाहनों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करते हुए कुल 33 हजार रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी स्कूल संचालकों एवं वाहन स्वामियों को निर्देशित किया है कि वे वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें और सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध आगामी दिनों में भी इसी प्रकार की सख्त दंडात्मक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत स्कूल वाहनों की स्थिति पर ध्यान दें और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर परिवहन विभाग को सूचित करें।

बुजुर्ग ने कहा थाने में नहीं हुई सुनवाई

बुजुर्ग रिटायर्ड बैंक अफसर से की मारपीट, सामान सड़क पर फेंका

नर्मदापुरम। शहर के कोठी बाजार स्थित पोस्ट ऑफिस के पास बने ऐतिहासिक 'लाल बंगला' परिसर में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब कुछ असामाजिक तत्वों और भाड़े के बदमाशों ने एक पुश्तैनी मकान का ताला तोड़कर उत्पाद मचाया। बदमाशों ने एक बुजुर्ग सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी के साथ न सिर्फ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि उनके घर का सारा सामान निकालकर सड़क पर फेंक दिया। बुजुर्ग का कहना है कि उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। जानकारी के अनुसार पीड़ित द्वारका प्रसाद मालवीय अपने निवास पर कुछ जरूरी सामान निकालने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने जबरन मकान का ताला तोड़ दिया और घर के अंदर रखा पूरा सामान सड़क पर फेंकना शुरू कर दिया। बुजुर्ग के साथ जमकर हाथापाई की गई और उन्हें निर्ममता से

पीटा गया। बुजुर्ग और उनकी पत्नी लंबे समय से अस्वस्थ हैं। बुजुर्ग दंपत्ति का कहना है यह हमारा पुश्तैनी मकान है। मेरे बड़े भाई से इस विषय में आपसी समझौते की बातचीत चल रही थी। लेकिन उन्होंने मेरी बात सुनने के बजाय असामाजिक तत्वों से मिलकर मुझ पर जानलेवा हमला करवाया।

बुजुर्ग दंपत्ति का कहना है कि पुलिस के इस अमानवीय और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के बाद अब वे एसपी से इसकी शिकायत करेंगे।

राहुल दहिया कांग्रेस के जिला महासचिव मनोनीत, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

भोपाल। कांग्रेस पार्टी ने युवा नेता राहुल दहिया को जिला महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर राहुल दहिया ने पार्टी नेतृत्व एवं वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को जनता के बीच प्रभावी ढंग से उठाने के लिए वे निरंतर कार्य करेंगे।र हुल दहिया ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया जाएगा। उन्होंने

अपनी नियुक्ति पर बधाई देने वाले सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एडवोकेट प्रदीप शर्मा, अजय महेश्वरी, आकाश खरे, इकबाल वगड़, लाल बहादुर भारद्वाज, संजय डुमाने, जफर भाई, आकाश मालवीय, सुरेंद्र चौधरी, नसीम, पार्थ मुखर्जी (मामा), उल्लास सोनकर, राजू मेढ़े, अभिषेक पाटिल, वैलू स्वामी, अमन, रवि गोलू, भैया भाई सहित कस्तूरबा मार्केट के व्यापारी बंधु, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राहुल दहिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की जनहितकारी नीतियों को मजबूती मिलेगी।

वन विभाग द्वारा अस्वस्थ तेंदुआ शावक का सफल रेस्क्यू

धार (निप्र)। वन परिक्षेत्र मांडव अंतर्गत बीट बंजारी में 24 जून 2026 को नियमित गश्त के दौरान वन अमले को लगभग 9 माह आयु का एक तेंदुआ शावक अस्वस्थ अवस्था में दिखाई दिया। वन्यजीव की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग द्वारा तत्काल रेस्क्यू एवं उपचार की कार्यवाही प्रारंभ की गई। वन मंडल अधिकारी, धार श्री विजयानंथम टी.आर के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री सचिन सयदे माण्डव के नेतृत्व में वन अमले ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तेंदुआ शावक को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया तथा वन परिक्षेत्र परिसर में लाकर आवश्यक देखभाल सुनिश्चित की। रेस्क्यू उपरांत पशु चिकित्सक दल द्वारा शावक का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान शावक की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी गई। पशु चिकित्सक दल द्वारा शावक को विशेषज्ञ देखरेख एवं सतत निगरानी में रखने की आवश्यकता व्यक्त की गई। विशेषज्ञों की सलाह एवं चिकित्सकीय परामर्श के आधार पर तेंदुआ शावक को बेहतर उपचार, संरक्षण एवं निगरानी हेतु वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल भेजने की प्रक्रिया संपादित की गई है, जहां उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर विशेषज्ञों द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यक उपचार प्रदान किया जाएगा।

हरसिद्धि की पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य पूर्ण करें:श्री सिंह

मार्ग चौड़ीकरण कार्य की गति बढ़ाएं, कार्य के दौरान कोई परेशानी हो तो वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं

उज्जैन (निप्र)। सिंहस्थ 2028 के विश्व स्तरीय आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा की दृष्टि से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मार्ग चौड़ीकरण के कार्य प्रचलित है। कार्यो की गुणवत्ता और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने मार्ग चौड़ीकरण कार्य करने वाली निर्माण एजेंसी के कॉन्टेक्टरों की बैठक ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमठ और संबंधित विभाग के इंजीनियर भी मौजूद रहे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी कॉन्टेक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण के कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के लिए लक्ष्य तय कर लें। भगवान श्री

महाकाल की पहली सवारी 3 अगस्त को निकलेगी। इसके पहले हरसिद्धि की पाल से रामघाट तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य 20 जुलाई तक पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही ढाबारोड़ सहित अन्य मार्ग चौड़ीकरण के कार्य में गति बढ़ाए अन्यथा संबंधित निर्माण एजेंसी के साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारी पर भी कार्यवाही की जाएगी। सिंहस्थ 2028 के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शहर में विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण कार्य प्रचलित है। निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के लिए गुरूवार को कलेक्टर सभागार में संभागायुक्त श्री सिंह की अध्यक्षता में निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी के कॉन्टेक्टरों और विभाग के इंजीनियरों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कार्य प्रगति की जानकारी लेने के बाद निर्देश दिए कि श्रावण महिना प्रारंभ होने के बाद 3 अगस्त को भगवान महाकाल की पहली सवारी निकलेगी। इसके पूर्व मार्ग चौड़ीकरण कार्य 20 जुलाई तक पूर्ण कर लिया जाए। कार्य के दौरान यदि कोई समस्या हो तो वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं, लेकिन ध्यान रखें कि निर्धारित तिथि तक सम्पूर्ण कार्य पूरा कर लिया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि उज्जैन धार्मिक शहर है। यहां पर बाबा श्री महाकाल के दर्शन के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते है। श्रावण महिने में भगवान श्री महाकाल की सवारी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। इसलिए मार्ग चौड़ीकरण कार्य हर हाल में तय की गयी तिथि तक पूर्ण किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि सवारी मार्ग में कहीं भी कोई नाली खुली न रहे, कोई गड्ढा नही हो। इस बात का ध्यान रखें। संभागायुक्त श्री सिंह ने कंठाल चौराहे से सतीगेट, छोटा सराफा, टंकी चौराहा से सत्यनारायण मंदिर, वीडी क्लाथ मार्केट, निकास चौराहा, खजूरवाली मस्जिद, केडीगेट, जूना सोमवारिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारी कॉन्टेक्टरों के साथ मॉनिटरिंग कर कार्य की गति बढ़ाएं। श्री सिंह ने कहा कि भगवान श्री महाकालेश्वर की राजश्री सवारी से पूर्व कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य को किया जाए। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि प्री मानसून बारिश को दृष्टिगत रखते हुए मार्ग पर मूरम बिछाएं ताकि मार्ग पर फिसलन नही हो। बारिश के दौरान जलभराव की निकासी के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कार्य पूर्ण करने के लिए रात्रिकालिन शिफ्ट में कार्य कराया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी और कॉन्टेक्टर बारिश के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किया जाये और सुरक्षा का ध्यान रखा जाये ।

संपादकीय

स्टार्मर के इस्तीफे की वजहें

दुनिया की महाशक्ति माने जाने वाले और कभी आधी दुनिया पर राज करने वाले ग्रेट ब्रिटेन में राजनीतिक अस्थिरता थमने का नाम ही नहीं ले रही है। वहां के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने उनके नेतृत्व को लेकर अपनी ही लेबर पार्टी के सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों के बाद पद से इस्तीफा दे दिया है। लेबर पार्टी के सांसदों ने सवाल किया था कि क्या स्टार्मर अगले आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे सही हैं। इस पर पद से इस्तीफा देते हुए स्टार्मर ने कहा कि मैंने इस सवाल पर अपनी पार्टी का 'जवाब सुन लिया है' और 'उस जवाब को अच्छे से स्वीकार करता हूं। मैंने जो भी फैसला लिया है, वह अपने देश को सबसे पहले रखने' के बारे में रहा है, जिससे वह प्यार करते हैं। पार्टी का अंदरूनी दबाव महत्वपूर्ण है, लेकिन वास्तव में स्टार्मर ने अपने पद से इस्तीफे देने की बात क्यों कहीं, खासकर तब कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे उन्होंने झुकने से मना कर दिया था, ऐसे में कौन सी मुख्य वजह थी, जिसके लिए इस्तीफा दिया, इस बारे में विश्लेषक अलग अलग कारण बता रहे हैं। ब्रिटेन में नए नेतृत्व के लिए चुनाव अगले महीने होगा। तब तक स्टार्मर अपने पद पर बने रहेंगे। बताया जाता है हाल में हुए उपचुनाव में मेकरफ़ील्ड उपचुनाव में एंडी बर्नहैम की शानदार जीत के बाद किएर स्टार्मर से डाउनिंग स्ट्रीट से अपने जाने का टाइम टेबल तय करने के लिए कहा जा रहा था। लेबर पार्टी के ज़्यादा से ज़्यादा सांसद किएर स्टार्मर से कह रहे थे कि वे ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर को सत्ता सौंपने के प्लान की घोषणा करें। जाहिर है कि एंडी बर्नहैम 9 जुलाई को मुकाबला शुरू होने पर बिना किसी चुनौती के चुनाव लड़ते हैं, तो नॉमिनेशन बंद होने के बाद वो लेबर लीडर बन सकते हैं। गौरतलब है कि किएर स्टार्मर अप्रैल 2020 में लेबर पार्टी के नेता चुने गए और लेबर की आम चुनाव में जीत के बाद 5 जुलाई 2024 को प्रधानमंत्री बने। ब्रिटेन को जल्द ही 2016 के बाद से अपना सातवां प्रधानमंत्री मिलेगा। स्टार्मर ने अपने इस्तीफ़े की घोषणा करने से पहले कहा कि उन्हें विरासत में लेबर पार्टी मिली थी जो 'पॉलिटिकली, फ़ाइनेंशियली और नैतिक रूप से दिवालिया' थी। उन्होंने दावा किया कि मैंने 'एंटीसेमिटिज़्म के ज़हर को निकालकर' पार्टी को बदल दिया। दरअसल शुरुआत से ही सर किएर स्टार्मर के कार्यकाल में समस्याओं के संकेत दिखाई देने लगे थे। प्रधानमंत्री बनने के सिर्फ तीन महीने बाद ही उन्हें 6000 पाउंड से अधिक मूल्य के उपहारों और मेहमाननवाज़ी का ख़र्च वापस करना पड़ा, जो उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद मिला था। इनमें टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट के टिकट भी शामिल थे। स्टार्मर को कई नीतिगत यू-टर्न के लिए भी कड़ी आलोचना झेलनी पड़ी। साथ ही दक्षिणपंथी वर्ग ने भी उनकी आलोचना की, क्योंकि वे फ्रांस से इंग्लिश चैनल पार कर अवैध रूप से ब्रिटेन आने वाले प्रवासियों की संख्या को रोकने में असफल दिखाई दिए। जनमत सर्वेक्षण करने वाली संस्थाओं ने लगातार पाया कि किएर स्टार्मर जनता के बीच बेहद अलोकप्रिय हो गए थे। उनकी लोकप्रियता रेटिंग रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब पहुंच गई थी। इसके अलावा स्टार्मर ने एपस्टीन के करीबी लॉर्ड मेंडेलसन को ब्रिटेन के सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी अमेरिका में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया था। स्टार्मर की रवानगी के पीछे बड़ा कारण डोनाल्ड ट्रंप भी हैं। ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के ट्रंप के न्यौते को ठुकराने से अमेरिका उनसे नाराज हो गया। हालांकि बाद में ब्रिटेन ने अपने सैन्य अड्डों के उपयोग की इजाजत दे दी थी। लेकिन बात नहीं।

ज्ञान का भ्रम पैदा करते स्कूली पाठ्यक्रम की दिशा

मनुष्य का ज्ञान बढ़ रहा है। इंसानियत की अब तक संचित समझ भी हर क्षेत्र में गहरा रही है, बढ़ रही है। निस्संदेह ही यह उत्सव मनाने वाली बात है पर यह स्कूली शिक्षा के लिए एक गंभीर और लगभग नज़रअंदाज़ कर दी जाने वाली समस्या भी पैदा करता है। जब शिक्षा व्यवस्था के ऊपर यह दबाव रहता है कि वह इस लगातार बढ़ते ज्ञान को बच्चों तक पहुँचाए तो उसके लिए पाठ्यक्रम को भी विस्तारित होना पड़ेगा, लेकिन स्कूली शिक्षा की समयावधि सीमित होती है, स्कूली शिक्षा 12 साल की होती है। इसका नतीजा यह है कि भारत समेत कई देशों के स्कूलों में पाठ्यक्रम अत्यधिक विस्तृत और स्तराधिक सघनता लिए हुए दिखाई देता है।

अनुराग बेहार

कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी तय समयावधि वाले विद्यालयीन जीवन में ऐसी कितनी ही जटिल सैद्धान्तिक विषयवस्तु से गुज़रते हैं, जिसमें वे अवधारणाएँ भी शामिल हैं जिन्हें कभी महाविद्यालय के स्तर पर पढ़ाया जाता था। पाठ्यक्रम का बढ़ता हुआ आकार आश्चर्यजनक है पर इससे सीखने में मदद मिलती है या नहीं, यह दूसरा सवाल है।

विषयवस्तु और सीखने के बीच का रिश्ता क्रमिक नहीं है। अधिक विषयवस्तु का अर्थ ज्यादा सीखना है, यह एक हद तक ही सच है। इसके बाद तो ढेर सारी विषयवस्तु का अर्थ है किसी एक विचार पर ठहरने के लिए कम समय उपलब्ध होना। यानी यह विषयवस्तु कक्षा में इतनी तेजी से और इतने सतही तरीके से पढ़ाई जाती है कि उस पर सही समझ विकसित करना नामुमकिन हो जाता है और फिर बच्चे और टीचर सिर्फ़ एक ही तरीका अपनाते हैं जो काम करता है यानी रट्टा मारना, जो पाठ्यक्रम ज्ञानवर्धन के लिए बनाया था, वह अब केवल ज्ञान का भ्रम पैदा करता है।

शिक्षा के क्षेत्र में हुए शोध लगातार दिखाते हैं कि पाठ्यक्रम के अत्यधिक विस्तृत होने से विद्यार्थी इसे केवल सतही तौर पर समझ पाते हैं यानी तथ्यों की विवेचना और विश्लेषण (जो कि तार्किक सोच के निर्माण का आधार है) किए बिना केवल उन्हें याद रखते जाते हैं। यह किसी एक विद्यार्थी या शिक्षक की नाकामी नहीं है, बल्कि यह विकास के कई आयामों में बहुत तेज़ी से और बहुत ज़्यादा अपेक्षा करने का एक संरचनात्मक परिणाम है। यह ठीक है कि विषयवस्तु और क्षमताओं का विकास एक-दूसरे के उलट नहीं हैं-एक बच्चा खालीपन में सोचना नहीं सीख सकता, उसे सोचने के लिए विषयवस्तु की ज़रूरत होती है लेकिन जब विषयवस्तु अत्यधिक विस्तृत और सघन हो जाए तो उस पर सोचने जैसी इंसानी काबिलियत के लिए कोई जगह नहीं बचती। सब कुछ रटने, याद करने में बदल जाता है। सभी प्रमाण इस बात को और पुष्ट करते हैं।

अतिभारित पाठ्यक्रम को लेकर आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ह्श्वष्ठ 2020) द्वारा किए गए अध्ययन में पाया कि कई देश पाठ्यक्रम को राजनीतिक, वैचारिक और अभिभावकों की अपेक्षाओं के अनुरूप विस्तार देने या अतिभारित करने के तनाव से जूझ रहे हैं। यह दबाव पाठ्यक्रम से जुड़ाव बनाने और उसे गहराई से समझने की प्रक्रिया को कम करता है और सीखना कठिन बनाता है। पाठ्यक्रम के विस्तार और सघनता पर ध्यान देना और सुसंगति बनाए रखना इस शोध की प्रमुख अनुशंसाएँ हैं जो अन्य गंभीर शोधों की अनुशंसाओं में भी ध्वनित होती दिखाई देती हैं।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस समस्या का सीधा सामना किया। इसमें पाठ्यक्रम को लेकर जो मुख्य कमियाँ बताई गईं, उनमें रटवाना और विषयवस्तु का अतिभारित होना शामिल था। इसके लिए नीति में विषयवस्तु पर केन्द्रित रहने की बजाय दक्षताओं के विकास की ओर बढ़ने, शिक्षा के स्तर को बच्चों के वास्तविक सीखने के तरीकों से जोड़ने और समझ विकसित करने के लिए समय और स्थान देने के स्पष्ट सुझाव दिए गए। नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन 2023 ने इसे पाठ्यचर्या अवधि के अनुरूप रेखांकित किया। इसमें साफ तौर पर कहा गया है कि पाठ्यक्रम को दक्षता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाना चाहिए और विषयवस्तु का अतिभार कम किया जाना चाहिए। यह वर्तमान में मौजूद रटंत संस्कृति और केवल स्मृति आधारित परीक्षा प्रणाली से आगे बढ़कर ऐसे तरीकों की बात करता है जो समस्या समाधान, तार्किक सोच और सीखने के लिए आवश्यक दक्षताएँ विकसित करें और उन दक्षताओं का आकलन कर सकें।

इन सभी अनुशंसाओं को लागू करने में सबसे ज़्यादा मुश्किलें आती हैं। एक फ्रेमवर्क बदलाव की बात कर सकता है, लेकिन पाठ्यक्रम की संरचना, पाठ्यपुस्तकें, कक्षा शिक्षण प्रक्रियाएँ और आकलन में तालमेल बनाए बिना यह बदलाव केवल कागज़ों पर सिमट कर रह जाएगा।

जिन शिक्षकों ने अपना पूरा शैक्षणिक जीवन केवल पाठ्यक्रम पूरा करने में बिताया है, उन्हें इस तरह का बदलाव लाने के लिए लगातार सहयोग की ज़रूरत होगी, सिर्फ़ कागज़ी निर्देश काफ़ी नहीं होंगे। अभिभावक जिनका शिक्षा का अनुभव सिर्फ़ अच्छे अंक लाने और विषयवस्तु रटने तक सीमित था, उन्हें भी साथ लाना होगा। उन्हें रुकावट मानकर नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इसी तरह पाठ्यक्रम तैयार करने वाले विशेषज्ञों को अपने विषय को अधिक अहमियत देने की ओर आकर्षित होने से बचना होगा यानी उस सोच से बचना होगा जो कहती है-लेकिन बच्चों को यह भी सिखाना ही चाहिए।

बच्चों को सब कुछ सिखा देना चाहिए, यह सोच ही समस्या की जड़ है और यह सोच पूरी तरह से इंसानी है। पाठ्यपुस्तक लिखने वाली कमेटी में से कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो यह कहने में सहज महसूस करते हैं कि यह अवधारणा इस आयु में सिखाने लायक नहीं है। पाठ्यक्रम में कुछ भी छोड़ा जाना सीखने के एक मौके का छूट जाना लगता है लेकिन यही वह फ़ैसला है जिसकी अच्छे पाठ्यक्रम निर्माता को ज़रूरत होती है। पाठ्यक्रम निर्माता को भरोसा होना चाहिए कि बहुत सारी जानकारी को खराब तरीके से पढ़ाया जाए इसकी बनिस्बत कम विषयवस्तु को अच्छी तरह से पढ़ाने से ज़्यादा सीखने को मिलता है।

स्कूल की पढ़ाई का मकसद बच्चे के 18 साल का होने से पहले उसे ज़्यादा से ज़्यादा इंसानी ज्ञान दिया जाए यहाँ तक सीमित नहीं है। यह लक्ष्य हमेशा से ही हासिल नहीं हो पाया है और हर दशक में यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। उद्देश्य यह है कि हर बच्चे में सीखने के क्षमता विकसित की जा सके जिससे वह ध्यान से पढ़ना, प्रमाण के आधार पर तर्क करना, अच्छे सवाल पूछना और जिज्ञासा बनाए रखना सीख सके। जो विद्यार्थी इन काबिलियतों के साथ स्कूल से निकलते हैं तो वे जिस जानकारी से भरी दुनिया में जाते हैं, वहाँ वे लगभग वह सब कुछ सीख सकते हैं जो वे बाद में सीखना चाहते हैं या जिसे सीखने की ज़रूरत है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2023 ने इसे एक बुनियादी सिद्धान्त के तौर पर स्थापित किया है। अब इस सिद्धान्त को अमली जामा पहनाने के लिए इसका कक्षा, किताबों, परीक्षाओं और शिक्षकों की कक्षा प्रक्रियाओं में दिखाई देना सबसे ज़रूरी है। किसी सिद्धान्त को अमल में लाने का यह काम वास्तव में एक फ्रेमवर्क लिखने से ज्यादा धीमा और मुश्किल है पर यही एक ऐसा अकेला घटक है, जो स्कूल में बच्चों के साथ जो होता है उसे पूरी तरह से बदल देगा।

अध्यात्म

डरो मत, मुश्किलों का डटकर सामना करो!

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद युवा थे और सन्यासी का जीवन जी रहे थे। वे हमेशा 'गेरुआ' (संतरे के रंग के) कपड़े और सिर पर एक सुंदर पगड़ी पहनते थे। एक बार वे उत्तर प्रदेश के 'बनारस' शहर में गए हुए थे। बनारस अपने पुराने मंदिरों और वहां रहने वाले ढेर सारे बंदरों के लिए बहुत मशहूर है। एक दिन दोपहर के समय स्वामी जी एक मंदिर के दर्शन करके एक पतले रास्ते से लौट रहे थे। तभी अचानक उनके सामने बहुत सारे बंदर आ गए। बंदरों ने सोचा कि शायद स्वामी जी के पास कुछ खाने-पीने का सामान है। बंदर उनके बहुत करीब आने लगे और उन्हें डराने लगे। इतने सारे बंदरों को अपने आस-पास देखकर स्वामी जी थोड़ा घबरा गए। उन्होंने बंदरों से बचने के लिए तेज़-तेज़ चलना शुरू कर दिया। बंदरों ने देखा कि स्वा मी जी डर रहे हैं, तो वे भी उनके पीछे-पीछे भागने लगे। कुछ बंदर उनके और करीब आ गए और जोर-जोर से आवाज़ें निकालने लगे। अब स्वामी जी ने बचने के लिए दौड़ लगाना शुरू कर दिया, लेकिन बंदर भी उनके पीछे दौड़ने लगे। तभी रास्ते के किनारे बैठे एक बूढ़े सन्यासी (साधु) ने स्वामी जी को भागते हुए देखा। सन्यासी ने अपनी तेज़ और भारी आवाज़ में चिल्लाकर कहा– 'रुको! भागो मत! उन जानवरों का डटकर सामना करो! उस बूढ़े सन्यासी की यह दमदार आवाज़ सुनकर स्वामी विवेकानंद के कदम वहीं रुक गए। उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने दौड़ना बंद किया, पीछे मुड़े और पूरे आत्मविश्वास और बहादुरी के साथ उन बंदरों की आँखों में आँखें डालकर सीना तान कर खड़े हो गए। जैसे ही स्वामी जी ने बिना डरे बंदरों की तरफ देखा, एक बहुत बड़ा चमत्कार हुआ। जो बंदर अभी तक उन्हें दौड़ा रहे थे, वे अचानक रुक गए। स्वामी जी के निडर चेहरे को देखकर बंदर पीछे हटने लगे और कुछ ही पल में सारे बंदर वहाँ से भाग गए! इस घटना ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर बहुत गहरा असर डाला। बाद में उन्होंने अपने भाषणों में यह लोगों को सुनाते हुए कहा थाः 'अगर आप किसी चीज़ से डरकर भागते हैं, तो वह डर (बंदरों की तरह) आपको और भी ज़्यादा डराएगा। लेकिन अगर आप वहीं रुककर पूरे साहस के साथ उस डर की आँखों में देखते हैं और उसका डटकर सामना करते हैं, तो वह डर खुद आपसे हारकर भाग जाएगा।' जीवन में कभी भी मुश्किलों या डर से भागना नहीं चाहिए।

विपक्ष की आक्रामकता व मोदी की बढ़ती मुश्किलें

2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 240 सीटों पर अटक जाने से यह कहा जाने लगा था कि मतदाता का मोदी से मोह भंग होने लगा है, वे विपक्ष के जाल में घिरे हुए नजर आने लगे। सरकार गठन तक कई आशंका, कुशंका व्यक्त होती रही। सरकार बनने के बाद भी कहा जाता रहा कि यह एक कमजोर एवं बैसाखी पर टिकी सरकार है इसका लंबे समय तक सत्ता में रहना मुश्किल है। अभी तक मोदी ने इन सभी संभावनाओं को झुठलाते हुए ऐसे निर्णय लिए जिससे यह सिद्ध हो गया कि सरकार एवं साथी दलों पर मोदी की मजबूत पकड़ है। बावजूद इसके कुछ ताजा घटनाक्रमों की वजह से मोदी की मुश्किलें बढ़ती जा रही है, विपक्ष विशेष रूप से राहुल गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ज्यादा आक्रामक है।

अनिल ठाकुर

यूपी में 2027 में विधान सभा चुनाव होना है इसलिए अखिलेश के बयानों में व्यंग्य एवं तल्खी दोनों देखने को मिल रही है। बिहार और बंगाल के नतीजों से डरे हुए अखिलेश को अनायास राम मंदिर चंदा घोटाले प्रकरण से योगी एवं मोदी को एक साथ कटघरे में खड़ा करने का सुनहरा मौका मिल गया। राम मंदिर मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट था, 2014 में सरकार बनने के बाद से जिस तरह से मोदी ने न्यायिक निर्णय के माध्यम से इसे जमीन पर साकार किया वह अद्वितीय ही कहा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी की कुशल प्रशासकीय व्यवस्था एवं सतत् निगरानी का योगदान भी अमूल्य ही कहा जाएगा। स्थापना के इतने कम समय में रामलला के आंगन में करोड़ों लोगों की आस्था, श्रद्धा के प्रतीक स्वरूप दी गई धन राशि, गहनों में घोटाले की खबर से सिर्फ यूपी ही नहीं पूरे देश वासी सन्न रह गए। जांच कमेटी की रिपोर्ट, कार्यवाही लंबे समय तक चलेगी, निष्कर्ष चाहे जो आए लेकिन जिस तरह की भावनाएं व्यक्त की जा रही वह मोदी सरकार के लिए शुभ संकेत नहीं है। राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेताओं के बयान आग में घी का काम कर रहे है। इसकी थोड़ी बहुत भरपाई दोषियों को चिन्हित कर यूपी चुनाव के पूर्व कड़ी सजा देने के अतिरिक्त किसी तरह नहीं हो सकती। हिंदू वोट बैंक को विभक्त करने के लिए अखिलेश के पीडीए फॉर्मूले के सफल प्रयोग को इस प्रकरण से बढ़ावा ही मिलेगा।

राम मंदिर चंदा घोटाला प्रकरण के कुछ दिन पूर्व नीट पेपर लीक मामले से युवाओं में असंतोष की जो व्यापक प्रतिक्रिया हुई, उसे सहज नहीं कहा जा सकता। सबसे अनोखी बात यह है कि इस घटना को सीजेआई के एक बयान से जोड़कर नई कॉकरोच जनता पार्टी का गठन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे की माँग कर मोदी के लिए मुश्किल खड़ी की जा रही है। सरकार के सफलता पूर्वक नीट परीक्षा पुनः करवाने के बावजूद युवाओं में असंतोष है। लेकिन जिस उद्देश्य को लेकर काकरोच जनता पार्टी बनी थी, उसके प्रदर्शन के दौरान कुछ ऐसे तत्व शामिल हो गए जो मुद्दे पर कम अन्य विवादित विषयों पर अधिक बात कर रहे है, जो एक मजाक बनता जा रहा है।

इन दो तात्कालिक मुद्दों के अलावा विपक्ष विशेष रूप से राहुल गांधी बिहार चुनाव के पहले से मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के समय वोट चोरी के नए मुद्दे को लेकर न्यायपालिका तक गुहार लगाते रहे, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इन चुनावों के पहले तक वे ईवीएम हेक मुद्दे पर आक्रामक रहे थे। दुर्भाग्य से राहुल को बिहार में वोट चोरी पर ही अपने साथी दल राजद के नेता तेजस्वी यादव का समर्थन नहीं मिला। अमित शाह ने इसे बंगला देशी घुसपैठियों की पहचान से जोड़ कर हिन्दू वोट बैंक को एकजुट होने में सफलता प्राप्त कर ली। बिहार के बाद बंगाल चुनाव के समय ममता मुख्यमंत्री थी, उन्होंने दो मोर्चों पर इस लड़ाई को लड़ा। एक तो मतदाता सूची पुनरीक्षण में अपने मतदाताओं के असंख्य वोट जुड़वा दिए, दूसरा चुनाव आयोग पर

पक्षपात के आरोपों को लेकर न्यायपालिका में खुद अपना पक्ष रखा, सड़कों पर धरना प्रदर्शन कर मोदी शाह को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन उनके 15 वर्ष के कार्यकाल में मुस्लिम तुष्टिकरण के साथ विधायकों की अपने क्षेत्र में गुंडागर्दी से पीड़ित भद्र मानस का मन बदल गया। राहुल गांधी ने गठबंधन की साथी टीएमसी सरकार को भ्रष्ट बताकर रही सही कसर भी पूरी कर दी। चुनाव में बुरी हार से बौखलाई ममता ने मोदी से बदला चुकाने के लिए देहली का रुख किया ही था कि उनके दो तिहाई विधायकों ने बीजेपी की तरफ रुख कर लिया। कांग्रेस में विलय की खबरों को पार्टी सांसदों के ममता का सरेंडर मानने के वजह से दो तिहाई सांसदों ने भी एक नया आशियाना ढूंढ लिया। और अब शिवसेना उद्धव गुट के छह सांसद टूट कर पुराने साथी शिंदे गुट में शामिल होकर सरकार का हिस्सा बन गए। इस टूट का आरोप भी अमित शाह पर है, कानूनी पक्ष भी दिए जा रहे है। निर्णय जो भी हो फिलहाल बीजेपी की ताकत बढ़ रही मगर इसने विपक्ष को एक जुट होने में मदद जरूर की। बंगाल की हार के बाद ममता के आव्हान पर इंडी गठबंधन की बैठक आयोजित किया गया, मगर उसमें भी साथी दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस की कार्यशैली पर उंगली उठाने से एकजुटता के बजाय दरार नजर आई। लंबे विचार विमर्श के बाद भी सरकार के विरुद्ध संगठित रूप से किसी आन्दोलन की रूप रेखा बनाने के बजाय कुछ प्रस्ताव पारित कर दो महीने बाद पुनः मीटिंग आयोजित करने का निर्णय भर लिया गया। इससे साफ संदेश निकलता है कि राहुल गांधी सिर्फ 29 के चुनाव को केंद्रित कर क्षेत्रीय पार्टियों को मजबूरन कांग्रेस में विलय कर स्वयं को प्रधानमंत्री पद का एकमात्र योग्य उम्मीदवार घोषित करना चाहते है। राहुल गांधी भविष्यवाणी कर चुके है कि अगले एक वर्ष में मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेगे। लेकिन क्या वे यह कहना चाहते है कि एक वर्ष बाद मैं प्रधानमंत्री बनूंगा ? अपने कार्यकाल के प्रारंभिक वर्षों से ही मोदी को चीन के साथ सीमा विवाद, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की वजह से डोकलाम, पुलवामा जैसी घटनाओं से निपटना पड़ा। पिछले वर्ष पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा जाति पूछकर की गई नृशंस हत्या की घटना से ऑपरेशन सिंदूर की नौबत आई। इन घटनाओं से भी विपक्ष ने अपने कुतर्कों से मोदी को घेरने में कोई कमी नहीं की। घरेलू मोर्चे पर सबसे बड़ी चुनौती तो मातृ संस्था संघ की ओर से आ रही है। सन 22 के यूपी चुनाव के दौरान बीजेपी अध्यक्ष नड्डा के एक बयान से विवाद के बाद संघ पदाधिकारियों द्वारा इशारों इशारों में बार बार निशाने साधे जा रहे है। बीच बीच में विचार विमर्श से विवाद कम हुआ है, मगर दरार अभी भी दिखाई देती है।

घरेलू मुद्दों के साथ अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों की वजह से मोदी की मुश्किलें ज्यादा बढ़ी है। कोविड़ की वजह से आर्थिक स्थिति कमजोर होने एवं उसके बाद रूस यूक्रेन युद्ध से खाद्य पदार्थ, खाद, तेल आयात में रुकावट आने से महंगाई बढ़ी। रूस यूक्रेन के बीच युद्ध से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के रूस से व्यापार प्रतिबंध लगा देने से क्रूड ऑयल सप्लाई में कमी आई। ट्रंप यही नहीं रुके उन्होंने भारत पर रूस से व्यापार करने की वजह से अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। इससे भारत अमेरिकी ट्रेड डील ट्रेड वार में बदल गई। बाद में ट्रंप ने भारत से अतिरिक्त टैरिफ तो हटा दिया लेकिन सिर्फ अमेरिकी हितों को ध्यान में रखते हुए जो शर्ते वे हम पर थोपना चाहते थे, वे हमें मंजूर नहीं थी, नतीजन आज तक अमेरिका के साथ ट्रेड डील फाइनल नहीं हो पाने से भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस बीच अमेरिका - इजराइल ईरान के बीच जंग छिड़ जाने से ईरान से आयात होने वाले क्रूड ऑयल की सप्लाई बाधित होने तथा रिजर्व्ड कोटे में कमी आने एवं पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाने से महंगाई बढ़ी। विपक्ष के अंतर्राष्ट्रीय परिस्थिति समझने के बावजूद मोदी को जिम्मेदार ठहरा असंतोष फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने का एक मौका और मिल गया।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। धन के उधार लेन-देन से बचें। सरकारी कार्यों में थोड़ी बाधा आयेगी।

वृषभ
मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों को उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी सेहत काफी अच्छी रहेगी। सगे-सम्बन्धियों के साथ सम्बन्ध मधुर रहेंगे।

मिथुन
आज रुके कार्यों को निपटाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। अपने कार्य दूसरों के भरोसे न छोड़ें। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा।

कर्क
नये विषयों के अध्ययन में रुचि लेंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने सम्बन्ध अच्छे रखें। मनोबल में कमी महसूस करेंगे। आपकी दिनचर्या संयमित रहेगी।

सिंह
आज आप अपने काम को लेकर अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। सन्तान के विवाह को लेकर चिन्ता रहेगी। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यन्त्र रच सकते हैं।

कन्या
आपकी विचारशैली में नयापन आयेगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। दोस्तों के साथ अपने अनुभवों को शेयर कर सकते हैं।

तुला
कार्यक्षेत्र में वर्चस्व बढ़ेगा। विनम्र स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। धर्म-अध्यात्म के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। वाचाल प्रवृत्ति के लोग स्वभाव पर नियन्त्रण रखें।

वृश्चिक
करियर सम्बन्धी नये अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहने वाले हैं। अनजान लोगों की सहायता मिल सकती है।

धनु
आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लें। प्रेमीजन के साथ रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। आपको सहयोगियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा। व्यापार में आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

मकर
परिजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। नया कार्य आरम्भ करने के लिये समय उत्तम है। प्रेम सम्बन्धों में सामंजस्य बनाकर रखें। सफलता के नये द्वार खुलने की सम्भावना है।

कुंभ
दूसरों के मामलों में आप हस्तक्षेप न करें। पिता के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें। तनाव के कारण आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

मीन
कार्यक्षेत्र में स्थान परिवर्तन हो सकता है। बच्चों की गतिविधियों पर नजर बनाये रखें। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सुबह नाश्ते में बनाएं रागी चीला, सेहत के लिए है सुपरफूड

रागी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। आयुर्वेद में इसे सुपरफूड माना गया है। ऐसे में सुबह ब्रेकफास्ट में रागी चीला आपको पूरे दिन एनर्जी देने के साथ साथ फिट रखने में मदद कर सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते। तो कुछ लोग वजन घटाने के चक्कर में ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं। लेकिन शायद आपको पता नहीं है कि सुबह का ब्रेकफास्ट ऐसा होना चाहिए जो न केवल झटपट बन जाए, बल्कि दिनभर के लिए भरपूर एनर्जी भी दे। अगर आप पराठे और पोहे से हटकर कुछ हेल्दी और टेस्टी खाना चाहते हैं, तो रागी चीला आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। रागी को आयुर्वेद में 'सुपरफूड' माना गया है। यह वजन घटाने, डायबिटीज कंट्रोल करने और हड्डियों को मजबूत बनाने में बेहद मददगार है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान और क्विक रेसिपी।

सामग्री

रागी का आटा : 1 कप

सूजी या बेसन (बाइंडिंग के लिए) : 1/4 कप

दही : 1/4 कप (हल्का खट्टा)

बारीक कटा प्याज : 1 छोटा चम्मच

बारीक कटी शिमला मिर्च और गाजर : 1/2 कप

हरी मिर्च : 1-2 (बारीक कटी हुई)

हरा धनिया : बारीक कटा हुआ

अदरक का पेस्ट : 1/2 छोटा चम्मच

जीरा पाउडर और चाट मसाला : 1/2 छोटा चम्मच

नमक : स्वादानुसार

पानी : बैटर तैयार करने के लिए

तेल या घी : चीला सेकने के लिए

बनाने का तरीका

स्टेप 1

सबसे पहले एक बड़े मिक्सिंग बाउल में रागी का आटा, सूजी या बेसन और दही को अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पकोड़े के घोल जैसा स्मूथ बैटर तैयार करें। ध्यान रहे कि इसमें गुठलियां न पड़ें।

स्टेप 2

इस घोल में कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, हरी मिर्च, अदरक का पेस्ट और हरा धनिया डालें। इसके बाद जीरा पाउडर, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। बैटर को 10 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सूजी फूल जाए।

स्टेप 3

अब एक नॉन-स्टिक तवा या डोसा पैन गैस पर गर्म करें। तवे पर थोड़ा सा घी या तेल लगाकर उसे चिकना कर लें।

स्टेप 4

गैस की आंच को धीमा करें और तवे के बीच में एक बड़ा चम्मच बैटर डालें। इसे डोसे की तरह गोल घुमाते हुए फैलाएं। इसके किनारों पर थोड़ा सा घी या तेल लगाएं।

स्टेप 5

चीले को मध्यम आंच पर तब तक पकने दें जब तक कि इसकी ऊपरी सतह सूखी न दिखने लगे और किनारे तवे को छोड़ने न लगें। अब इसे सावधानी से पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेकें।

केवल आलू से बनाएं कुरकुरा नाश्ता, उंगलियां चाटते रह जाएंगे घर वाले

अक्सर लोगों को कंफ्यूजन रहती है कि सुबह नाश्ते में क्या बनाया जाए। अगर आप भी इसी उलझन में हैं तो आलू का कुरकुरा नाश्ता आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। आलू एक ऐसी सब्जी है जिसका स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आता है। घर में कोई सब्जी न हो तो आलू से झटपट कई तरह की चीजें बनाई जा सकती है। आलू बच्चों की सबसे पसंदीदा सब्जी होती है। ऐसे में बच्चे ब्रेकफास्ट में आलू से बनी डिश खाना पसंद करते हैं। कई बार लोगों को समझ नहीं आता कि सुबह नाश्ते में स्वाद से भरपूर ऐसा क्या बनाया जाए। अगर घर में कोई सब्जी न हो और कुछ चटपटा खाने का मन करे, तो सिर्फ आलू ही काफी है। बिना किसी तामझाम के, केवल आलू से आप एक ऐसा लाजवाब और कुरकुरा नाश्ता तैयार कर सकते हैं जो बड़ों से लेकर बच्चों तक सबको बेहद पसंद आएगा। इसे हम आलू के पकौड़े या आलू के कटलेट कह सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस चटपटे नाश्ते की आसान सी रेसिपी।

कैसे बनाएं आलू का क्रिस्पी नाश्ता

आलू का क्रिस्पी नाश्ता बनाने के लिए सबसे पहले आलू को अच्छी तरह धो लें और फिर इसे कुकर में डालें। अब इसमें आलू डूबने जितना पानी डालें और 3 सीटी लगाकर इसे अच्छी तरह उबाल लें।

जब आलू उबल जाए तो इसे गैस से उतार कर ठंडा होने के लिए रख दें।

जब आलू ठंडा हो जाए तो इसे छील लें और फिर मैशर की मदद से मैश कर लें।

आलू को मैश करने के बाद इसमें कटा हरा धनिया, हरी मिर्च थोड़ा सा लहसुन और लाल मिर्च को मिलाकर बनाए पेस्ट को डालें। फिर इसमें चावल का आटा एक से दो चम्मच डालें। इसके बाद इसमें कॉर्न फ्लोर डालें। अब स्वादुनासार नमक डालें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। इन्हें मिक्स करने के बाद अब अपने हाथों में तेल लगाएं और तैयार मिश्रण की गोल गोल छोटी छोटी लोई बना लें। तैयार लोई को एक बर्तन में रख दें।

अब गैस पर कढ़ाही चढ़ाएं और इसमें तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें इन लोईयों को डालें। धीमी आंच पर 5 मिनट पकाने के बाद आंच तेज कर दें। इससे कुरकुरापन आएगा।

जब ये ब्राउन कलर का हो जाए तो इसे प्लेट में निकालें और धनिया की चटनी या टोमेटो सॉस के साथ सर्व करें।

शाम के नाश्ते के लिए परफेक्ट है मसाला मैकरोनी

मैक्रोनी का नाम सुनते ही बच्चे से लेकर बड़ों तक के मुंह में पानी आ जाता है। मैक्रोनी आपने कई तरह की खाई होगी लेकिन क्या आपने कभी मसाला मैक्रोनी ट्राय किया है।

शाम की चाय के साथ अक्सर लोगों का मन कुछ चटपटा और मसालेदार खाने का करता है। ऐसे में लोग शाम की चाय के साथ समोसे और ब्रेड पकौड़े जैसी चीजें खाते हैं। लेकिन क्या कभी आपने मलासा मैकरोनी ट्राय की है। यह खाने में गजब लगती है और शाम की चाय के लिए परफेक्ट ऑप्शन भी है। ऐसे में यहां हम आपके लिए मसाला मैक्रोनी की आसान सी रेसिपी लेकर आए हैं। यहां से नोट कर लें आसान सी रेसिपी।

सामग्री

मैकरोनी : 2 कप

प्याज : 1 बड़ा (बारीक कटा हुआ)

टमाटर : 2 बड़े (बारीक कटे हुए या प्यूरी)

हरी मिर्च : 2 (बारीक कटी हुई)

अदरक-लहसुन का पेस्ट : 1 छोटा चम्मच

शिमला मिर्च : 1 (बारीक कटी हुई)

मसाले : आधा छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला

मैगी मसाला (या पास्ता मसाला) : 1 पैकेट (स्वाद बढ़ाने के लिए)

टोमैटो केचप : 2 बड़े चम्मच

तेल या बटर : 2 बड़े चम्मच

हरा धनिया : बारीक कटा हुआ

नमक : स्वादानुसार

स्टेप 1

सबसे पहले एक बर्तन में 4-5 कप पानी उबालें। पानी में उबाल आने पर आधा छोटा चम्मच नमक और 1 छोटा चम्मच तेल डालें। अब इसमें मैकरोनी डालें और 8 से 10 मिनट तक मध्यम आंच पर उबलने दें। जब मैकरोनी मुलायम हो जाए, तो गैस बंद कर दें और इसका पानी छानकर इसे ठंडे पानी से धो लें।

स्टेप 2

अब एक कढ़ाई में तेल या बटर गरम करें। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ सेकंड के लिए भूनें। इसके बाद कटा हुआ प्याज डालें और उसे हल्का गुलाबी होने तक पकाएं।

स्टेप 3

प्याज भूनने के बाद इसमें कटे हुए टमाटर डालें और तब तक पकाएं जब तक कि टमाटर गल न जाएं। अब इसमें बारीक कटी शिमला मिर्च डालें और 2 मिनट तक भूनें। इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें।

स्टेप 4 - जब मसाले तेल छोड़ने लगें, तो इसमें टोमैटो केचप और मैगी मसाला डालें। अब उबली हुई मैकरोनी को कढ़ाई में डालें और हल्के हाथों से मसाले के साथ मिक्स करें ताकि मैकरोनी टूटे नहीं। इसे धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें ताकि सारे मसालों का फ्लेवर मैकरोनी के अंदर तक चला जाए।

स्टेप 5 - आपकी गरमा-गरम और चटपटी मसाला मैकरोनी बनकर तैयार है। गैस बंद करें, ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालें और शाम की कड़क चाय के साथ इसका आनंद लें।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों डिप्रेशन का शिकार हो रहे

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज़्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज़ का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

पढ़ाई में कमजोर बच्चे की ये हैं आदतें

पढ़ाई में कमजोर बच्चे अक्सर स्कूल जाने से कतराते हैं और न जाने के अनेकों बहाने ढूंढते हैं।

ऐसे बच्चे मम्मा मैं अभी बस ये काम कर लूं फिर पढ़ूंगा कहकर हर बार टालमटोल करते हैं।

अधिकतर पढ़ाई में कमजोर बच्चे क्लास में पीछे बैठते हैं, साथ ही इनकी कोशिश रहती है कि मैम या सर उन्हें न देखें और न ही उनसे कुछ पूछें।

पढ़ाई में कमजोर बच्चे कभी भी अपना वर्क कम्पलीट नहीं करते हैं। इसका कारण है उनका खुद की पढ़ाई पर फोकस कम होना।

कमजोर बच्चे क्लास में एकदम शांत रहते हैं, साथ ही उनकी कोशिश होती है कि टीचर की नजर उनपर न पड़े, यहां तक कि अगर उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है, तो भी वे टीचर के पास नहीं जाते हैं।

अकेले में पढ़ाई करने की जिद करने वाले बच्चे हमेशा पढ़ने के लिए कोई अकेली जगह तलाशते हैं, जिससे उनपर किसी की निगाह न हो और वो मनचाही जगह मनमाने ढंग से अपनी पढ़ाई कर सकें। ऐसे में वे पढ़ रहे हैं या कुछ और कर रहे हैं इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है, फिर इसका असर उनकी पढ़ाई और जिंदगी दोनों पर ही पड़ता है।

कॉम्पिटिशन के इस युग में सबमें आगे रहने की होड़ लगी है। ऐसे में सभी माता-पिता की चाहत अपने बच्चों को सबसे आगे देखने की होती है, इसके लिए वो उनपर पढ़ाई ज्यादा करने का प्रेशर बनाते हैं और उनकी उम्मीदों पर खरे न उतरकर बच्चे हर चीज में पीछे रहने लगते हैं।

जब एग्जाम आता है,तब सालभर न पढ़ने वाले बच्चे सबकुछ एकसाथ तैयार करने की चाह में रटना शुरू कर देते हैं तो उन्हें समझ कुछ नहीं आता। यह आदत कमजोर बच्चों की निशानी है।

बिना योजना की पढ़ाई करने वाले बच्चे किसी भी सब्जेक्ट को अपना पूरा समय नहीं दे पाते और सारे सब्जेक्ट में पीछे रहते हैं, इसलिए वे हमेशा कमजोर ही रहते हैं।

ऐसे में कमजोर बच्चों के प्रति घर और स्कूल दोनों का ही फर्ज बनता है कि वे बच्चे को बहुत समझदारी से समझाएं और हमेशा प्रोत्साहित करें। वर्क हमेशा कंप्लीट कराएं। उनके टीचर बच्चों के नोट्स को हमेशा चेक करें। घर पर पेरेंट्स भी बच्चा क्या पढ़ रहा है, इस पर ध्यान दें।

रोजाना के आहार में पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करः रितिका समद्दार

मुंबई, एजेंसी। बादाम लंबे समय से रोजमर्रा के आहार का लोकप्रिय हिस्सा रहे हैं। इन्हें भोजन के साथ पौष्टिक रूप में खाया जाता है, नाश्ते की दिनचर्या में शामिल किया जाता है और मीठे व नमकीन दोनों तरह के व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। अपनी लोकप्रियता के बावजूद, एक धारणा बार-बार सामने आती है, खासकर गर्मियों के महीनों में – क्या बादाम खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है? गर्मियों के दौरान कई लोग बादाम खाने को लेकर सावधानी बरतते हैं, क्योंकि उनका मानना होता है कि इससे शरीर में गर्मी बढ़ सकती है या गर्म मौसम में असहजता हो सकती है। लेकिन क्या यह चिंता वास्तव में तथ्यों पर आधारित है, या फिर यह उन कई खाद्य मिथकों में से एक है जो समय के साथ प्रचलित हो गए हैं?संतुलित पोषण संबंधी दृष्टिकोण के तहत, विशेषज्ञ बादाम को व्यापक रूप से आहार में शामिल करने की सलाह देते हैं। रितिका समद्दार रीजनल हेड डायटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयरङ्कनई दिल्ली बताती हैं, हम अपने दिन की शुरुआत जिस तरह करते हैं, उसका पूरे दिन शरीर के काम करने के तरीके पर गहरा प्रभाव पड़ता है। नियमितता और पौष्टिकता पर आधारित संतुलित दिनचर्या ऊर्जा स्तर, पाचन और लंबे समय तक स्वास्थ्य से जुड़े परिणामों सहित कई पहलुओं को प्रभावित कर सकती है। मैं अपने सभी मरीजों को रोजाना के आहार में पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करने की सलाह देती हूं, क्योंकि यह समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के सबसे सरल तरीकों में से एक है।

सभी के लिए बीमा की शुरुआत जागरूकता सेः पूरे भारत में वित्तीय मजबूती का निर्माणः राकेश जैन

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस वित्तीय मजबूती और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन का मानना है कि भारत में बीमा का दायरा वैश्विक मानकों से कम है, इसलिए सभी के लिए बीमा के राष्ट्रीय सपने को सच करने के लिए पूरे भारत में, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। जैसे-जैसे स्वास्थ्य, मौसम और डिजिटल दुनिया से जुड़े जोखिम बढ़ रहे हैं, बीमा को केवल नुकसान होने के बाद मदद करने वाले माध्यम के बजाय, सुरक्षा और व्यापार को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने वाला जरिया बनना होगा। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस में, हम तकनीक और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले नए प्रयोगों (इनोवेशन) के जरिए बीमा को आसान बनाने और लोगों का भरोसा मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इस तरह हम हर भारतीय को देश की विकास यात्रा में आत्मविश्वास के साथ शामिल होने के लिहाज से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वेदांता की कॉपरटेक मेटल्स ने अमेरिकी आईपीओ में 3.6 अरब डॉलर के मूल्याकन का लक्ष्य रखा

मुंबई, एजेंसी। वेदांता रिसोर्सेज द्वारा स्थापित कॉपर एवं कोबाल्ट उत्पादक कंपनी कॉपरटेक मेटल्स ने अपने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए रोडशो शुरू कर दिया है। कंपनी न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है और उसका प्रस्तावित टिकर सिंबल ष्टङ्ग होगा। कंपनी 2.35 करोड़ (23.5 मिलियन) शेयर जारी कर लगभग 423.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। शेयरों का मूल्य दायरा 16 से 18 अमेरिकी डॉलर प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। इस मूल्यांकन के आधार पर कॉपरटेक मेटल्स का संभावित बाजार मूल्य

उधर तेल की कीमत युद्ध से पहले के लेवल पर पहुंची, इधर सरकार ने चुपचाप कर दिया यह काम

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल ऑयल की कीमतें गुरुवार को ईरान संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर पर आ गईं। इससे भारत को काफी फायदा होने की उम्मीद है। क्रूड की कीमतें लुढ़कने से महंगाई का जोखिम कम हुआ है। यह आयात बिल घटाएगा। सरकार की वित्तीय स्थिति में सुधार लाएगा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है।

इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड लुढ़ककर लगभग 72-73 डॉलर प्रति बैरल पर रह गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया। इससे वह जियोपॉलिटिकल रिस्क प्रीमियम खत्म हो गया, जिसकी वजह से इस साल की शुरुआत में संघर्ष के चरम पर कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। दोनों बेंचमार्क अब फरवरी के आखिर के स्तर के करीब आ गए हैं। तब मिडिल ईस्ट के एनर्जी मार्केट में तनाव नहीं बढ़ा था। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद गुरुवार को रिटेल फ्यूल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। हाल ही में इंटरनेशनल ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। लेकिन, इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने अब तक पंप की कीमतों में कटौती नहीं की है। अधिकारियों ने बताया कि तीन सरकारी फ्यूल रिटेलर्स अभी पेट्रोल पर अच्छा मार्केटिंग मार्जिन कमा रहे हैं। हालांकि, डीजल की बिक्री से अभी भी थोड़ा नुकसान हो रहा है। कंपनियों ने ग्लोबल क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद लगभग ढाई महीने तक रिटेल कीमतें स्थिर रखी थीं। उसके बाद ही थोड़ी बढ़ोतरी की थी।

सरकार ने चुपचाप कर दिया यह काम

ऑयल मार्केट में तनाव कम होने का असर सरकार के रुख में भी दिखा है। संघर्ष शुरू होने के बाद शुरू की गई अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग चुपचाप रोक दी गई हैं। इससे पता चलता है कि एनर्जी सप्लाई में तत्काल रुकावट की चिंता कम हो गई है। शुरुआत में रोजाना और बाद में हफ्ते में दो बार होने वाली इन ब्रीफिंग में प्रमुख मंत्रालयों के अधिकारी देश की तैयारी और संकट के प्रबंधन के बारे में जनता को जानकारी देते थे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारी नियमित रूप से इसमें शामिल होते थे। फ्यूल सप्लाई को सुरक्षित रखने और मार्केट में स्थिरता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते थे। इस हफ्ते सोमवार और गुरुवार को तय दिनों पर कोई ब्रीफिंग नहीं हुई। इससे सरकार का यह आकलन पता चलता है कि तनाव कम होने और तेल की कीमतें घटने के बाद एनर्जी सप्लाई और ट्रेड फ्लो पर जोखिम कम हो गए हैं। भारत जो कच्चा तेल खरीदता है, उसकी बास्केट की औसत कीमत 27 फरवरी को 71.17 डॉलर प्रति बैरल थी। यह वह दिन था जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था। इसके जवाब में तेहरान ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई की थी। इससे होर्मुज स्ट्रेट असल में बंद हो गया था, जहां से खाड़ी देशों से भारत जैसे देशों तक तेल और गैस की सप्लाई होती थी।

जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी ने एवरसोर्स कैपिटल समर्थित लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज में किया निवेश

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख इंटीग्रेटेड एंटरप्राइज मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स में शामिल लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज ने आज घोषणा की कि उसे जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी से रणनीतिक निवेश किया है। कंपनी ने ऐसा इंटीग्रेटेड मोबिलिटी प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसमें इलेक्ट्रिक फ्लीट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, फ्लीट इंटेलिजेंस सिस्टम और सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशनल कमांड जैसी तमाम सुविधाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी 3,000 से ज़्यादा वाहनों और 1,300 चार्जर्स के नेटवर्क के ज़रिए हर दिन 25,000 से अधिक ट्रिप्स का संचालन करती है और 100 से ज़्यादा एंटरप्राइज ग्राहकों को अपनी सेवाएं दे रही है। एवरसोर्स कैपिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनपाल झावेरी ने कहा, मोबिलिटी अब सिर्फ वाहनों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह एक पूरे इकोसिस्टम का खेल बन चुकी है। आने वाले वक्त में असली वैल्यू किसी एक एसेट में नहीं, बल्कि ऐसे प्लेटफॉर्म्स में होगी जो इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और ऑपरेशंस को बड़े पैमाने पर एक साथ जोड़ सकें। लिथियम ने मज़बूत ऑपरेटिंग बुनियाद पर अपना कारोबार खड़ा किया है और जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी का यह निवेश उसकी तरक्की के लिए भरपूर गुंजाइश पैदा करेगा। फ्लीट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटेलिजेंट मोबिलिटी सिस्टम और सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशनल निगरानी को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाकर लिथियम ने ऐसी क्षमताएं विकसित की हैं, जिनकी बड़े पैमाने पर बराबरी करना आसान नहीं है। हम जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ इस साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। समूह की दूरदर्शी सोच और औद्योगिक विरासत लिथियम के अगले विकास चरण में अहम भूमिका निभाएगी। इसी मौके पर जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पार्थ जिंदल ने कहा, भारत का मोबिलिटी सेक्टर तेज़ी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। शहरीकरण, इलेक्ट्रिफिकेशन और डिजिटल कॉमर्स के बढ़ते दायरे की वजह से यह बदलाव और तेज़ हुआ है। हमारा मानना है कि भविष्य ऐसे इंटीग्रेटेड और टेक्नोलॉजी आधारित मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स का होगा, जो भरोसे, बेहतर संचालन और बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता के साथ सेवाएं दे सकें। भारत का कमर्शियल मोबिलिटी सेक्टर अभी भी बड़े पैमाने पर पारंपरिक ईंधन से चलने वाले वाहनों पर निर्भर है। आगे का अवसर सिर्फ इन वाहनों को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑपरेटिंग सिस्टम और टेक्नोलॉजी क्षमताएं विकसित करने का है, जो बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिफिकेशन को सफल बना सकें।

1 मिलियनवां टीवीएस आईक्यूब हुआ रोलआउट

जो भारत के ईवी रूपान्तरण को आकार देने में टीवीएस मोटर की भूमिका को दर्शाता है

बैंगलुरु, एजेंसी। टीवीएस वेनु के भाग और दुनिया भर में दोपहिया और तिपहिया वाहनों की जानी मानी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने आज होसुर स्थित अपनी मैनुफैक्चरिंग युनिट से 1 मिलियनवें टीवीएस आईक्यूब के रोलआउट की घोषणा की है। यह उपलब्धि भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो मोबिलिटी के सस्टेनेबल, स्मार्ट और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर देश की प्रगति को दर्शाती है।

जैसे-जैसे देश विकसित भारत के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्थायी विकास, ऊर्जा रूपान्तरण और तकनीकी नेतृत्व को सक्षम बनाने वाले मुख्य कारक के रूप में उभर रही है। भारत की ईवी यात्रा में अग्रणी होने के नाते, टीवीएस मोटर ने इन-हाउस इंजीनियरिंग, आरएंडडी, प्रोडक्ट इनोवेशन और इकोसिस्टम डेवलपमेंट में लगातार निवेश कर इस श्रेणी को आकार दिया है। दुनिया के लिए भारत में ही डिज़ाइन, इंजीनियर और मैनुफैक्चर किया गया टीवीएस आईक्यूब,

आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता पर टीवीएस मोटर के फोकस को दर्शाता है तथा भारतीय इनोवेशन में गुणवत्ता, परफोर्मेन्स एवं सस्टेनेबिलिटी के विश्वस्तरीय मानकों को सुनिश्चित करता है। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेनु ने कहा, एक मिलियन टीवीएस आईक्यूब्स को रोलआउट किया जाना इस बात को दर्शाता है कि भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बड़े पैमाने पर रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन रही है। यह उपलब्धि इंजीनियरिंग, इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं में सालों के निवेश का परिणाम है, जिसने हमें दुनिया के लिए भारत में डिज़ाइन और मैनुफैक्चर किए गए विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों के निर्माण में सक्षम बनाया है। देश विकसित भारत के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में भारत के पास भावी मोबिलिटी में ग्लोबल लीडर बनने का सुनहरा अवसर है। टीवीएस मोटर में, हम मोबिलिटी के शानदार और सस्टेनेबल समाधानों के ज़रिए इस विज़न को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो ग्लोबल मोबिलिटी पावरहाउस के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत बनाते हैं।

6 रुपये से 130% चढ़ गया यह पेनी स्टॉक, कंपनी ने लगातार चौथे महीने जोड़े ग्राहक

नईदिल्ली, एजेंसी। टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयरों में पिछले कुछ महीनों में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले 3 महीने में करीब 65 पर्सेंट उछल गए हैं। वहीं, 52 हफ्ते के निचले स्तर से वोडाफोन आइडिया के शेयर 130 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों में आई तूफानी तेजी के बावजूद मार्केट एक्सपर्ट्स फंडामेंटल चिंताओं की वजह से निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। वोडाफोन आइडिया के शेयर गुरुवार को क्चस्श्व में 14.07 रुपये पर बंद हुए हैं। वोडाफोन आइडिया ने लगातार चौथे महीने मई में नेट वायरलेस सब्सक्राइबर (मोबाइल यूजर्स) जोड़े हैं। 130% उछल गए हैं टेलिकॉम कंपनी के शेयर टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर से 130 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 14 अगस्त 2025 को 6.12 रुपये पर थे। वोडाफोन आइडिया के शेयर 25 जून 2026 को 14.07 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर पिछले 3 महीने की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 65 पर्सेंट का उछाल आया है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर करीब 98 पर्सेंट उछल गए हैं। टेलिकॉम कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 15.35 रुपये है। वोडाफोन आइडिया का मार्केट कैप गुरुवार को 1.52 लाख करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है।

पिछले कुछ महीनों में आए पॉजिटिव अपडेट्स की वजह से वोडाफोन आइडिया के शेयरों में अच्छी हलचल देखने को मिली है। मई की शुरुआत में डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशंस ने वोडाफोन आइडिया का एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू 27 पर्सेंट घटाकर 64,046 करोड़ रुपये कर दिया। कंपनी के शेयरों को दूसरा बड़ा पुश तब मिला, जब कुमार मंगलम बिड़ला वोडाफोन आइडिया के नॉन-एग्जिक्यूटिव चेयरमैन बने। करीब पांच साल पहले उन्होंने वित्तीय दबाव के बीच टेलिकॉम कंपनी में इसी पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके अलावा, वोडाफोन आइडिया ने इस हफ्ते की शुरुआत में अनाउंस किया है कि उसने वॉरन्ट्स इश्यू के जरिए प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप से 1182 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पहले,अप्रैल में वोडाफोन आइडिया ने 53,257 नेट वायरलेस सब्सक्राइबर्स ऐड किए थे। कंपनी ने मार्च में 102899 और फरवरी में 21,927 नेट वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े थे।

नीट यूजी से आयुष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के व्यापक अवसर उपलब्धः डॉ. ए.के. द्विवेदी

भोपाल । नीट यूजी केवल एमबीबीएस में प्रवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आयुष शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश का भी महत्वपूर्ण द्वार बन चुका है। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद , आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की कार्य परिषद के सदस्य तथा एसकेआरपी गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (फिजियोलॉजी) डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि नीट के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएनवाईएस (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा), बीयूएमएस तथा अन्य आयुष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद भारत में आयुष क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आयुष मंत्रालय की स्थापना, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के विस्तार, राष्ट्रीय आयुष मिशन तथा जनसामान्य के बढ़ते विश्वास के कारण आयुष चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। आज आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा जैसी प्रणालियां देश की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को एमबीबीएस में प्रवेश नहीं मिल पाता, उनके लिए बीएचएमएस, बीएएमएस और बीएनवाईएस जैसे पाठ्यक्रम उत्कृष्ट एवं सम्मानजनक करियर विकल्प हैं। इन क्षेत्रों में चिकित्सकीय प्रैक्टिस के साथ-साथ शिक्षण, अनुसंधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य परामर्श एवं उद्यमिता के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि विश्वभर में समग्र एवं एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं की मांग बढ़ रही है।

सीडीएसएल आईपीएफ ने साई गोडबोले की आवाज में लॉन्च किया 'बनो मिस आत्मनिर्भर इन्वेस्टर' एंथम

मुंबई, एजेंसी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (आईपीएफ) ने अपनी 'आत्मनिर्भर॥श्वक्र' पहल के तहत निवेशक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नया एंथम 'बनो मिस आत्मनिर्भर इन्वेस्टर' जारी किया है। इस एंथम को लोकप्रिय गायिका, अभिनेत्री और कंटेंट क्रिएटर साई गोडबोले ने अपनी आवाज दी है। इसका उद्देश्य महिलाओं को प्रतिभूति बाजार (सिक्योरिटीज मार्केट) में निवेश की दिशा में पहला कदम उठाने तथा आत्मविश्वासी, जागरूक और आत्मनिर्भर निवेशक बनने के लिए प्रेरित करना है।

इस एंथम को एक आकर्षक और प्रेरणादायक फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जो एक महिला के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को दर्शाती है। पहली नौकरी शुरू करने से लेकर नई जिम्मेदारियां संभालने और अपने सपनों को पूरा करने तक की यात्रा को इसमें दिखाया गया है। फिल्म यह संदेश देती है कि हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत झिझक को पीछे छोड़कर पहला कदम उठाने से होती है। निवेश की यात्रा को इसी सोच से जोड़ते हुए यह फिल्म महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ निवेश की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। साथ ही यह बताती है कि शोध, योजना

और सही जानकारी के आधार पर लिए गए निर्णय निवेश को सफल बनाते हैं। धन सृजनकर्ता, भविष्य निर्माता और लक्ष्य हासिल करने वाली महिला के रूप में आगे बढ़ने का संदेश देते हुए यह एंथम महिलाओं को अपने वित्तीय भविष्य की कमान स्वयं संभालने और आत्मनिर्भर निवेशक बनने की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

लॉरिट्ज नुडसेन ने 50 गीगावॉट सोलर क्षमता को सक्षम बनाने का मुकाम हासिल किया

वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में अपनी भूमिका दोहराई

मुंबई, एजेंसी। भारत के इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन सेक्टर की अग्रणी कंपनियों में शामिल लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन ने आज घोषणा की कि उसकी इलेक्ट्रिकल और डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ ने भारत और दुनिया के अन्य बाज़ारों में 50 गीगावॉट से ज़्यादा सोलर क्षमता को संचालित करने में अहम भूमिका निभाई है।

यह उपलब्धि इस बात को साफ़ तौर पर दिखाती है कि लॉरिट्ज नुडसेन का फोकस सिर्फ सोलर क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सोलर ऊर्जा को बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचाने पर है। इसका फायदा फैक्ट्रियों, खेतों, घरों और उन कम्युनिटीज़ तक पहुंच रहा है, जहां अब तक पर्याप्त सुविधाएं नहीं थीं। साथ ही यह देश के ऊर्जा बदलाव के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज़रूरी बड़े स्तर के लक्ष्य को साथ लेकर चल रहा है।

भारत की सोलर यात्रा अब सिर्फ बड़े यूटिलिटी पार्कों तक सीमित नहीं रह गई

है। अब इसका असर आखिरी छोर तक साफ़ दिखाई दे रहा है। पीएम-कुसुम योजना के तहत सिंचाई को बिजली मिल रही है, पीएम सूर्य घर योजना के ज़रिए घरों तक सोलर ऊर्जा पहुंच रही है और पारंपरिक बिजली ग्रिड से दूर बसे इलाकों को भी भरोसेमंद बिजली उपलब्ध हो रही है।

इस बदलाव की रफ्तार काफी तेज़ रही है। भारत लगातार अपनी सोलर क्षमता बढ़ा रहा है और अब देश की कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में सोलर की हिस्सेदारी लगभग 55 फीसदी हो गई है, जो 154 गीगावॉट से अधिक है। यह विस्तार दो समानांतर मोर्चों पर हो रहा है। पहला, बड़े यूटिलिटी प्रोजेक्ट्स, जो बिजली ग्रिड की क्षमता बढ़ाते हैं और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हैं। दूसरा, छोटे और बिखरे हुए इंस्टॉलेशन जो सीधे आर्थिक और सामाजिक असर पैदा करते हैं। लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी नरेश कुमार ने कहा, जब कोई किसान डीज़ल से चलने वाली सिंचाई छोड़कर सोलर आधारित सिंचाई अपनाता है या किसी परिवार को भरोसेमंद बिजली मिलने लगती है, तभी ऊर्जा बदलाव असल मायनों में हकीकत बनता है। 50 गीगावॉट की यह उपलब्धि सिर्फ इसके स्केल की वजह से अहम नहीं है, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसका फायदा समाज के हर तबके तक पहुंच रहा है। हमारा मकसद हमेशा यही रहा है कि सोलर इंफ्रास्ट्रक्चर भरोसेमंद, सभी की पहुंच में और समाज के हर वर्ग की ज़रूरतों को पूरा करने वाला हो।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई से प्रतिबंध हटा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी की सप्लाई को संकट-पूर्व से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया है और सभी क्षेत्रीय पाबंदियां वापस ले ली हैं। इस फैसले से देशभर के कमर्शियल और औद्योगिक उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। फिलहाल एलपीजी सिलेंडर के दाम में आज 26 जून को कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में आज भी घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942 और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 3,113.50 है।

इंडियन ऑयल के ताजा रेट के मुताबिक 14.2 किलो का घरेलू एलपीजी सिलेंडर सबसे महंगा लेह में 1,179 रुपये का बिक रहा है, जबकि सबसे सस्ता सिलेंडर मुंबई में 941 रुपये का उपलब्ध है।लेह में घरेलू सिलेंडर 1,179 रुपये का है।

एलपीजी की सप्लाई युद्ध से पहले वाले सामान्य स्तर पर होगी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुए युद्ध के बाद एलपीजी की सप्लाई में आई रुकावट के बाद अब स्थिति में सुधार हुआ है। फिलहाल युद्ध पर विराम लगा हुआ है। इस सुधार को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अब गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी की सप्लाई युद्ध से पहले वाले सामान्य स्तर पर करेंगी।

बल्क एलपीजी सप्लाई आंशिक रूप से बहाल

सरकार ने बल्क एलपीजी सप्लाई पर लगे प्रतिबंधों में भी ढील दी है। कमर्शियल और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए संकट-पूर्व खपत के 50 प्रतिशत तक सप्लाई की अनुमति दे दी गई

है। अधिकारियों का कहना है कि इससे उद्योगों को अपना परिचालन आसानी से फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी। संकट के दौरान, जब ईरान ने अमेरिकी-इजरायली हमलों के जवाब में होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया था, तब केंद्र ने आवश्यक वस्तु अधिनियम एस्मा के तहत पाबंदियां लगाई थीं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया था कि कुछ विशेष गैसों (सी3 और सी4) का उपयोग केवल एलपीजी बनाने में किया जाए ताकि इसकी कमी न हो।

अब जब एलपीजी सप्लाई बेहतर हो गई है तो सरकार इन गैसों को दोबारा दूसरे उद्योगों के लिए उपयोग करने की अनुमति दे रही है। हालांकि, यह पक्का किया गया है कि घरों और आवश्यक उपयोग के लिए एलपीजी उत्पादन कम नहीं होगा और स्थिर स्तर पर बना रहेगा।

क्यों पैदा हुआ था एलपीजी संकट

एलपीजी की कमी तब शुरू हुई जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बमबारी की और वहां के सर्वोच्च नेता समेत शीर्ष अधिकारियों को मार गिराया। हमले में मिनाब के एक प्राथमिक स्कूल को भी निशाना बनाया गया, जिसमें ईरानी मीडिया के अनुसार 168 बच्चों की मौत हुई। जवाब में ईरान ने अस्थायी रूप से होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया, जो दुनिया का एक अहम शिपिंग रास्ता है। इसी रास्ते से वैश्विक तेल और एलपीजी सप्लाई का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस रुकावट से भारत में एलपीजी आयात पर संकट के बादल मंडराने लगे, जिसके चलते सरकार को घरेलू रसोई गैस सप्लाई को प्राथमिकता देनी पड़ी। उपलब्ध स्टॉक को संभालने के लिए कमर्शियल और औद्योगिक एलपीजी की सप्लाई पर रोक लगाई गई और हाइड्रोकार्बन स्ट्रीम (सी3 और सी4) को केवल एलपीजी उत्पादन के लिए भेजा गया। इन पाबंदियों का असर देशभर के रेस्तरां, होटल और उद्योगों पर पड़ा और कई कारोबारों को नियमित एलपीजी सप्लाई पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सप्लाई में आई रुकावट का असर कीमतों पर भी पड़ा। युद्ध के बाद वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आने से मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ाई गई थी। इसके बाद जून में फिर 29 रुपये की बढ़ोतरी हुई, जिससे दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपये पहुंच गई।

वैभव सूर्यवंशी के तूफान से पहले जुरेल का धमाका

श्रीलंका के खिलाफ ठोका जबरदस्त शतक, कप्तान बनकर हुए हिट

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ए के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में इंडिया ए के कप्तान ध्रुव जुरेल ने मोर्चे से टीम की अगुवाई करते हुए एक बेहतरीन शतकीय पारी खेली है। यह उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का कुल छठा शतक है। मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन के दौरान जुरेल ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए अपनी पारी को शतक में बदला। उनसे पहले ओपनिंग बल्लेबाज

साई सुदर्शन ने भी 132 रनों की शतकीय पारी खेली थी। इन दो दमदार शतकों के दम पर भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 400 से अधिक रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया है। भारतीय टीम ने जब 181 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट गंवाया था, तब कप्तान ध्रुव जुरेल क्रीज पर उतरे। उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए शेख राशीद के साथ मिलकर टीम को संभाला और चौथे विकेट के लिए 136 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। राशीद 113 गेंदों का सामना करते हुए 63 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर आउट हुए लेकिन जुरेल ने एक छोर थामे रखा और अपनी क्लास दिखाते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की हर रणनीति को नाकाम कर दिया।

शानदार चल रहा है फर्स्ट क्लास करियर- उत्तर प्रदेश की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ध्रुव जुरेल का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। साल 2022 में रणजी ट्रॉफी से अपने फर्स्ट क्लास करियर की शुरुआत करने वाले जुरेल ने अब तक खेले 35 मैचों की 52 पारियों में लगभग 50 से अधिक की शानदार औसत के साथ 2400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस प्रारूप में अब उनके नाम 6 शतक और 14 अर्धशतक दर्ज हो चुके हैं।

2024 में किया था टेस्ट डेब्यू- घरेलू स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत जुरेल ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में अपना डेब्यू किया था।

सेरेना के सामने विम्बलडन के शुरुआती दौर में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट की चुनौती

लंदन (एजेंसी)। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नये चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था। पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है।

जर्मनी पर इक्वाडोर की ऐतिहासिक जीत

नॉकआउट में जापान और स्वीडन

ईस्ट रदरफोर्ड (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इक्वाडोर का अपना वर्ल्ड कप कैंपेन जारी है. जानकारी के मुताबिक गोंजालो प्लाटा के विजयी गोल ने गुरुवार को जर्मनी पर 2-1 से यादगार जीत हासिल की और उन्हें अंतिम 32 में पहुंचा दिया। ग्रुप ई के मैच में दो मिनट से भी कम समय में लेरॉय साने ने विवादित तरीके से जर्मनी को बढ़त दिला दी, लेकिन सुंदरलैंड के विंगर निल्सन एंगुलो के शानदार गोल से इक्वाडोर ने वापसी की। इसके बाद प्लाटा ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले करीब से गोल किया। ऐसा होते ही न्यू जर्सी में इक्वाडोर की भीड़ के बीच जबरदस्त जश्न मनाया गया. दक्षिण अमेरिकियों ने सुनिश्चित किया कि वे आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में से एक के रूप में आगे बढ़ेंगे।

जर्मनी सोमवार को तीसरे नंबर पर रहने वाली एक और टीम के खिलाफ अपने लास्ट-32 मुकाबले के लिए फॉक्सबोरो जाएगा, जो 2014 में ट्रॉफी उठाने के बाद उनका पहला वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच होगा. इस जीत के बाद कप्तान जोशुआ किमिच ने कहा कि उनकी टीम को नॉकआउट राउंड में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा. किमिच ने आगे कहा कि हम अपनी विरोधी टीम को गेम में वापसी का मौका देते हैं, और इससे वे और मजबूत होते हैं।

अच्छी बात ये है कि अभी तक कुछ नहीं हुआ है, लेकिन हम एक और हार नहीं झेल सकते. हम हर गेम में एक या दो गोल नहीं खा सकते. हमें बॉल कम से कम देनी होगी, तभी हम किसी को भी हरा सकते हैं. जूलियन नेगल्समैन ने चोट की वजह से दो बदलाव किए, जिसमें एंटोनियो रुडिगर को निको श्लोटरबेक की जगह शामिल किया गया, क्योंकि बोरूसिया डॉर्टमुंड के डिफेंडर एंकल लिगामेंट में चोट के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे।

डेविड राउम लेफ्ट-बैक पर नैथेनियल ब्राउन की जगह आए, लेकिन नैगल्समैन ने डेनिज उन्दाव को शुरू करने का लालच रोक दिया, भले ही उन्होंने आइवरी कोस्ट के खिलाफ बेंच से शानदार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 2-1 की जीत में दोनों गोल किए थे. ग्रुप में टॉप पर जगह पक्की कर चुकी जर्मनी ने इस तरह बढ़त बना ली कि इक्वाडोर की गुस्सा हो गई, जो अपने पहले दो गेम में सिर्फ एक पॉइंट लेकर टूर्नामेंट में बने रहने के लिए लड़ रही थी। साने ने फ्लोरियन विर्ट्ज के ले-

ऑफ से एरिया में पहली बार शॉट मारा, लेकिन इक्वाडोर इस बात से नाराज था कि मूव में पहले फाउल क्यों नहीं दिया गया, जब एलेक्जेंडर पावलोविच ने पेड्रो विटे के सिर पर हाई बूट मारा था.

नीदरलैंड्स और यूएसए टॉप पर ऑस्ट्रेलिया राउंड ऑफ 32 में पहुंचा

सैंटा क्लारा (कैलिफोर्निया) (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड 2026 का रोमांच अपने चरम पर है. फुटबॉल प्रेमियों को हर दिन नए-नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं. इसी सिलसिले में आज 26 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्र के मुकाबलों में नीदरलैंड्स टेबल टॉपर के तौर पर नॉकआउट स्टेज में पहुंच गया है, जबकि जापान और स्वीडन ने एक हाई-प्रेशर मैच में 1-1 से ड्रॉ किया, जिससे दोनों टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंच गईं।

बता दें, ग्रुप डी की टीमों के मैच भी पूरे हो गए, जिसमें यूएसए और ऑस्ट्रेलिया ने क्वालीफाई किया है. जापान ने राउंड ऑफ 32 में ब्राजील के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला तय किया है।

नीदरलैंड्स ग्रुप एफ में टॉप पर, जापान और स्वीडन नॉकआउट में आगे बढ़े

नीदरलैंड्स ने गुरुवार को बारिश से प्रभावित मैच में ट्यूनीशिया पर 3-1 से आसान जीत दर्ज की और राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ने के लिए तैयार है. ब्रायन ब्रॉबी और जान पॉल वैन हेके ने एक-एक गोल किया, जबकि एलीस स्कीरी ने एक गोल किया. ट्यूनीशिया के लिए हेजम मस्तूरी ने एक गोल किया।

वहीं, दूसरी तरफ, जापान ने स्वीडन के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और दोनों टीमों ने नॉकआउट में जगह पक्की कर ली. जापान के लिए डाइजेन माएडा ने एक गोल किया, जबकि स्वीडन के लिए एंथनी एलंगा ने एक गोल किया. जापान लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ रहा है और 2002 में को-होस्ट के तौर पर राउंड ऑफ 16 में पहुंचने के बाद से सात कोशिशों में पांचवीं बार ऐसा हुआ है. खास बात यह है कि इतिहास में यह पहली बार है जब जापान किसी एक वर्ल्ड कप एडिशन के ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट में

ग्रुप स्टेज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद यूएसए को बड़ा झटका लगा, क्योंकि उसे तुर्की के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इस रोमांचक मुकाबले में तुर्की के लिए अर्दा गुलर (10), ओरकुन कोकचू (31) और कान अयहान (90+8) ने गोल किए, जबकि यूएसए के लिए ऑस्टन ट्रस्टी (3) और सेबेस्टियन बेरहाल्टर (49) ने गोल किए।

डिफेंडर ऑस्टन ट्रस्टी के गोल के साथ, यह मौजूदा एडिशन सबसे ज्यादा गोल करने वाला टूर्नामेंट बन गया, जिसने कतर में 2022 एडिशन में बनाए गए 172 गोल के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया. सेबेस्टियन बरहाल्टर एक ही वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी भी बने. अर्डा गुलर सिर्फ 21 साल और 120 दिन की उम्र में वर्ल्ड कप में तुर्की के लिए गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य

हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गया, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

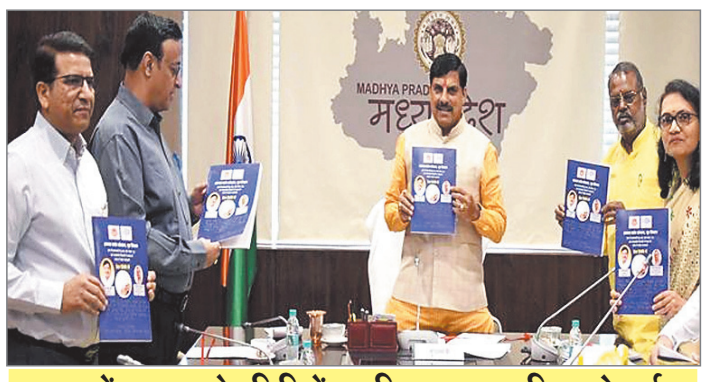

आपदा में बचाव पर ब्रेल लिपि में प्रकाशित पुस्तक का किया लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नि:शक्तजन के लिए आग, हीटवेब (लू) और आकाशीय बिजली से बचाव के संबंध में ब्रेलिपि में प्रकाशित पुस्तक का गुरूवार को मंत्रालय में लोकार्पण किया। पुस्तक का मुद्रण आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से कराया गया है।

प्रभारी मंत्री ने मकरोनिया में देखा अमृत 2.0 का काम

● 2 एकड़ ज़ोन में 1,000 पौधों के रोपण के साथ वृहद पर्यावरण अभियान शुरू ● एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रभारी मंत्री ने रोपा नारियल का पौधा

भोपाल। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में आज मकरोनिया नगर पालिका क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद पौधारोपण अभियान की शुरुआत हुई। उन्होंने यह नारियल का पौधा रोपकर वृहद पौधारोपण की शुरुआत की। नरयावली विधायक इंजी. प्रदीप लारिया के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अमृत 2.0 योजना के कार्यों का मूल्यांकन करने के साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से एक पेड़ माँ के नाम वृहद पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, जिला अध्यक्ष श्री श्याम तिवारी, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि , प्रशासनिक अधिकारी और जन समुदाय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मकरोनिया क्षेत्र में हो रहे तीव्र विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित अमृत योजना को स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों ने बखूबी धरातल पर उतारा है। क्षेत्र के निरंतर 4 बार के विधायक ने जनता के दिलों में स्थान बनाकर विकास को प्राथमिकता दी है।

पुराने कुओं, बावड़ियों और पारंपरिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करना अत्यंत आवश्यक है। वर्षा जल को सहेजकर जमीन के भीतर पहुंचाना और वाटर टेबल (भूजल स्तर) को बनाए रखना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।

वर्षा के जल का संचय करना और उसे वापस भूमि में पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ी के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी भी है। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने मकरोनिया क्षेत्र में तेज गति से हो रहे विकास कार्यों को रेखांकित किया। उन्होंने यहां बन रहे भव्य रविदास मंदिर निर्माण, शबरी जलाशय के सुंदरीकरण और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण हेतु स्थानीय विधायक, प्रशासनिक और जनभागीदारी के प्रयासों की सराहना की। विधायक श्री प्रदीप लारिया ने क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी दी और कहा कि क्षेत्र में लगातार तीव्र गति से विकास हो रहा है। आज यहां करीब रू. 1.60 करोड़ की लागत से शबरी जलाशय/सरोवर का उन्नयन एवं जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही रू. 72 लाख की लागत से शबरी पार्क का निर्माण भी जारी है, जिसे एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया जा रहा है।

लखनऊ हादसे के बाद जागी भोपाल नगर निगम

एमपी नगर और न्यू मार्केट सहित कई इलाकों में ताबड़तोड़ छापेमारी, 49 को नोटिस

भोपाल (नप्र)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग के बाद भोपाल नगर निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। नगर निगम के फायर विभाग ने पूरे शहर में एक व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया है। इस कड़े निरीक्षण के बाद बीएमसी ने नियमों का उल्लंघन करने पर गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल, तुलसी टावर और कान्हा टावर जैसी 10 हाई-राइज इमारतों और 39 कोचिंग संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई एमपी नगर, पिपलानी, न्यू मार्केट और बैरागढ़ जैसे व्यस्त इलाकों में की गई।

जांच में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नगर निगम के फायर विभाग की इस जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद डरावने हैं। पूरे शहर में अब तक करीब 80 कोचिंग संस्थानों और कई बहुमंजिला इमारतों का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। इनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा जगहों पर या तो आग से निपटने के इंतजाम पूरी तरह नदारद मिले या फिर जो सिस्टम लगे थे, वे काम नहीं

मरीजों और छात्रों की सुरक्षा भगवान भरोसे

बीएमसी के फायर सेफ्टी इन-चार्ज सौरभ पटेल के मुताबिक, हमीदिया अस्पताल के बाकी हिस्सों में सुरक्षा इंतजाम बेहद खराब पाए गए हैं। ऐसी स्थिति में अगर अस्पताल में कभी आग लगती है, तो गंभीर रूप से भर्ती मरीजों को वहां से सुरक्षित बाहर निकालना डॉक्टरों और स्टाफ के लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसी वजह से अस्पताल प्रबंधन को सख्त चेतावनी के साथ नोटिस भेजा गया है। प्रशासन का कहना है कि नियमों की अनदेखी कर लोगों की जान जोखिम में डालने वाली इन इमारतों पर आगे भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

प्रदेश में बारिश का लंबा दौर शुरू अगले 120 घंटे भारी झमाझम

60 की स्पीड से तूफान और मूसलाधार बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून लगातार मजबूत हो रहा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान वर्षा दर्ज की गई, जबकि कई जिलों में अच्छी बारिश से मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के अनुसार प्रदेश के ऊपर सक्रिय मौसम प्रणालियों के कारण आगामी दिनों में वर्षा गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक वर्तमान में प्रदेश के आसपास चक्रवाती परिसंचरण और ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसके प्रभाव से पूर्वी, मध्य और दक्षिणी मध्यप्रदेश के जिलों में बारिश की तीव्रता अधिक रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बौछारें और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

इन इलाकों पर रहेगा ज्यादा असर- विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, जबलपुर, नरसिंहपुर और सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में भी रुक-रुक कर तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। कहीं-कहीं भारी बारिश का दौर देखा जा सकता है।

पूरे प्रदेश में तापमान में आई गिरावट- लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है।

मानसून की पहली बारिश किसानों के लिए राहत- मानसूनी बारिश खरीफ सीजन की फसलों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। मौसम विभाग ने किसानों को खेतों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने और मौसम की स्थिति को देखते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी है।

शाजापुर में बिजली गिरने से एक की मौत, इंदौर में गिरा पानी, 46 जिलों में अलर्ट

मध्य प्रदेश में मानसून की गतिविधियां तेज होने लगी हैं। शाजापुर जिले के ग्राम बेसरापुर के जंगल में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। उसकी पहचान आत्माराम मालवीय (64) के रूप में हुई। वहीं इंदौर में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के 46 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।शाजापुर में दोपहर के समय गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। सड़कों पर पानी भरने से कई जगह ट्रैफिक जाम जैसे हालात बने। बालाघाट में भी दोपहर बाद तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के बाकी हिस्सों को अगले 2 से 3 दिन में मानसून कवर कर लेगा।इससे पहले बुधवार को प्रदेश के 15 जिलों में मानसून ने दस्तक दी थी। छिंदवाड़ा समेत सीमावर्ती जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान हुई अच्छी बारिश और दक्षिण-पश्चिम से आ रही नमी वाली मानसूनी हवाओं के आधार पर इसकी आधिकारिक घोषणा की गई।

मप्र के कर्मचारियों को 300 ईएल का मिलेगा पैसा

रिटायरमेंट से पहले खुद कैलकुलेट कर सकेंगे रकम सरकार ने बताया कैलकुलेशन फॉर्मूला

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए लीव इनकैशमेंट राशि को लेकर आदेश जारी किया है। अब कर्मचारी रिटायरमेंट या ड्यूटी के दौरान मौत की स्थिति में मिलने वाली छुट्टी लीव इनकैशमेंट राशि का अनुमान खुद लगा सकेंगे। वित्त विभाग ने सभी विभागों, कार्यालयों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। इसके साथ ही किसी भी कर्मचारी को अधिकतम 300 दिनों के अर्जित अवकाश (ईएल) का नकदीकरण लाभ दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी के खाते में 300 दिनों से अधिक ईएल मौजूद है, तब भी भुगतान केवल 300 दिनों तक ही सीमित रहेगा। वित्त विभाग ने कहा- कोई कर्मचारी पहले किसी अवसर पर ईएल इनकैशमेंट का लाभ ले चुका है, तो जितने दिनों का लाभ पहले लिया गया है, उसे 300 दिनों की अधिकतम सीमा में से घटा दिया जाएगा। कर्मचारी को कुल मिलाकर 300 दिनों से अधिक ईएल इनकैशमेंट का लाभ नहीं मिल सकेगा। सरकार के फैसले को कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से अवकाश नकदीकरण की गणना को लेकर अलग-अलग विभागों में भ्रम और विवाद की स्थिति बनती रही है। नए निर्देशों के बाद पूरे प्रदेश में एक समान प्रक्रिया लागू होगी।

कर्मचारियों को क्या होगा फायदा?

- नए आदेश के बाद सरकारी कर्मचारियों को कई तरह के लाभ मिलने की उम्मीद है।
- कर्मचारी पहले से अपनी संभावित लीव इनकैशमेंट राशि का अनुमान लगा सकेंगे।
- विभागों में गणना को लेकर होने वाली गलतियों में कमी आएगी।
- भुगतान संबंधी विवाद कम होंगे।
- सभी विभागों में एक समान नियम और प्रक्रिया लागू होगी।
- रिटायरमेंट के समय कर्मचारियों को मिलने वाले लाभों की पारदर्शिता बढ़ेगी।

ईएल इनकैशमेंट पर पारदर्शी लाना

राज्य सरकार का कहना है कि इस आदेश का मुख्य उद्देश्य अर्जित अवकाश नकदीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और एकरूप बनाना है। अलग-अलग विभागों में अपनाई जा रही अलग-अलग प्रक्रियाओं के कारण कई बार कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब वित्त विभाग के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बाद सभी विभागों में एक जैसी व्यवस्था लागू होगी।

अर्जित अवकाश का रिकॉर्ड रखने के निर्देश

वित्त विभाग के आदेश में सभी विभागों को यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि अवकाश नकदीकरण की गणना निर्धारित नियमों के अनुसार ही की जाएगी। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि कर्मचारियों के अर्जित अवकाश का रिकॉर्ड सही तरीके से रखा जाए। भुगतान के समय एक समान प्रक्रिया अपनाई जाए। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी कर्मचारी को भुगतान में देरी न हो और गणना में गलतियां न हों।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भोपाल दुग्ध संघ में हुआ योग सत्र का आयोजन

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भोपाल दुग्ध संघ परिसर में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (एमपीसीडीएफ) के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी, एनडीडीबी के महाप्रबंधक जयदेव बिस्वास, भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रीतेश जोशी सहित संघ के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षक डॉ. विनीता सिरोठिया ने लगभग एक घंटे तक योग सत्र का संचालन किया।

इस दौरान प्रतिभागियों ने शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ एवं सक्रिय रखने वाले योगासनों का अभ्यास किया। सत्र में पैरों, हाथों, गर्दन, हृदय तथा आंखों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी योग क्रियाओं,

प्राणायाम एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया तथा नियमित योग के लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योगाभ्यास करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र प्रहरियों को किया नमन

● 25 जून 1975 को बताया देश में लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला दिन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपातकाल की विभीषिका के विरूद्ध डटकर खड़े होने वाले लोकतंत्र प्रहरियों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि 25 जून, 1975 देश में लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला दिन था। आज के दिन ही 1975 में इंदिरा सरकार के अहंकार के परिणामस्वरूप देश में आपातकाल लगाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव समर्पित होकर देश की सेवा का संकल्प लेने का प्रदेशवासियों से आव्हान किया।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को मिले अधिक से अधिक अवसर : राज्यपाल

विद्यार्थियों में कौशल, योग और सामाजिक सरोकार करें विकसित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत@2047 की संकल्पना को साकार करने की दिशा में प्रदेश के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिये सभी वर्गों से सतत् विचार-विमर्श करते रहे है जिसमें युवा भी शामिल है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के जज्बे को और अधिक सुदृढ़ करने में अपना सक्रिय योगदान दें। राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को लोकभवन में आयोजित विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 102वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के संचालन एवं समन्वय संबंधी विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।

राज्यपाल श्री पटेल ने विश्वविद्यालयों

को सेवायोजित पूर्व विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक 2 वर्ष में प्लेसमेंट सम्मेलन आयोजित करने की सलाह दी है। प्लेसमेंट सम्मेलन में वर्तमान छात्र-छात्राओं को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलेगा। विश्वविद्यालय का गौरव भी बढ़ेगा। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्व के लगभग 200 देशों में किये गये योगाभ्यास से योग की वैश्विक स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को योग को नियमित गतिविधियों को मासिक साप्ताहिक आयोजन के क्रम में शुरू करना चाहिए। इसकी शुरुआत छात्रावासों से की जा सकती है। उन्होंने रोजगारोन्मुखी प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को गरीब एवं वंचित परिवारों की आत्मनिर्भरता में व्यवहारिक पहल बताया। कृषि संबद्ध विभिन्न कार्यों के लिए भी प्रमाणन व्यवस्था विकसित किए जाने पर बल दिया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के विश्वास के साथ उन्हें विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने भेजते हैं। इस विश्वास को बनाये रखना कुलगुरुओं और प्राध्यापकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल के साथ सामाजिक संवेदनशीलता से भी जोड़ना जरूरी है। विश्वविद्यालय गाँव को गोद लेकर ग्रामीणों के साथ संवाद और विकास गतिविधियों में विद्यार्थियों को सहभागी बनाएं। पिछड़े समुदायों एवं क्षेत्रों के विकास की अभूतपूर्व योजना पीएम-जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विद्यार्थियों को भी जोड़े। महाविद्यालयीन और विश्वविद्यालयीन छात्रों को गाँवों का भ्रमण करवाएं। इससे प्राप्त अनुभव विद्यार्थियों को भावी जीवन में वंचित और गरीब वर्गों के प्रति संवेदनशील बनाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने विश्वविद्यालयों द्वारा वित्तीय प्रबंधन को व्यवस्थित करने पर विशेष बल दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र) प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक-सुमेर सिंह यादव
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950